सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 208 | जौनपुर, गुरूवार, 25 अप्रैल 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अमित शाह ने उद्धव ठाकरे को बताया नकली शिवसेना अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी कहते थे कि अनुच्छेद–370 हटी, तो देश में खून की नदियां बह जाएंगी। 5 साल हो गए खून की नदियां तो छोड़ो आज तक किसी की एक कंकड़ तक चलाने की हिम्मत नहीं हुई। पीएम मोदी ने अनुच्छेद–370 हटाकर इस देश से आतंकवाद को समाप्त कर कश्मीर को हमेशा के लिए भारत का बनाने काम किया है। कांग्रेस पार्टी अफवाह फैला रही है कि अगर भाजपा को 400 सीटें मिल गईं तो आरक्षण चला जाएगा। लेकिन मैं आपको स्पष्ट बता देता हूं कि भाजपा न आरक्षण को जाने देगी और न ही हटाएगी। ये मोदी की गारंटी है। हमने बहुमत का प्रयोग अनुच्छेद– 370 हटाने के लिए किया, तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाने के लिए किया और सीएए लाने के लिए किया। अमरावती में एक सार्वजनिक बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उद्धव ठाकरे, जो खुद को शिव सेना का अध्यक्ष होने का दावा करते हैं, शिव सेना का यह फर्जी अध्यक्ष सोनिया गांधी के डर से प्राण प्रतिष्ठा में भी शामिल नहीं हुए। शहुल बाबाश को भी निमंत्रण मिला, लेकिन वे श्प्राण प्रतिष्ठाश में शामिल नहीं हुए। इन लोगों ने श्प्राण प्रतिष्ठाश में शामिल न होकर भगवान राम का अपमान किया है।श शरद पवार को भी निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि तबीयत खराब है। अभी चुनाव में कैसे घूम रहे हैं।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग से निपटने के लिए भारत जारी रखेगा सहयोग – डोभाल

नई दिल्ली, एजेंसी। एनएसए अजीत डोभाल ने रूसी संघ की सुरक्षा परिषद के सचिव द्वारा आयोजित ब्रिक्स एनएसए की लंच बैठक में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में निकट सहयोग और सीमा पार योजना, वित्त पोषण और आतंकवादी कृत्यों के कार्यान्वयन को रोकने के लिए ठोस कार्रवाई का आह्वान किया। सेंट पीटर्सबर्ग में पॉलीटेक्निक वर्ल्ड में सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने पर एक पूर्ण सत्र में बोलते हुए डोभाल ने समावेशी आर्थिक विकास के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की भारत की नीति को रेखांकित किया।

दूसरे चरण के लिए थमा चुनावी प्रचार, अब 88 सीटों पर होगी वोटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण के मतदान के लिए मंच तैयार है। दूसरे चरण में वोटिंग 26 अप्रैल को 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 88 निर्वाचन क्षेत्रों में होगा। मतदान शुक्रवार सुबह 7 बजे शुरू होगा और शाम 5 बजे समाप्त होगा। 26 अप्रैल होने वाले चुनाव को लेकर आज प्रचार खत्म हो गया है। दूसरे चरण के मतदान में भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन ब्लॉक के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में जो लोग चुनाव लड़ रहे हैं उनमें राजनांद गांव से भूपेश बघेल, बेंगलुरु ग्रामीण से डीके सुरेश, बेंगलुरु उत्तर से शोभा करंदलाजे, बेंगलुरु दक्षिण से तेजस्वी सूर्या, मांड्या से एचडी कुमारस्वामी, वायनाड से राहुल गांधी, पथानमथिट्टा से अनिल एंटनी, तिरुवनंतपुरम से शशि थरूर और राजीव चंद्रशेखर शामिल है। लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों में जोधपुर से गजेंद्र सिंह शेखावत, जालौर से वैभव गहलोत, मथुरा से हेमा मालिनी, मेरठ से अरुण गोविल शामिल हैं।

60 वर्षों के अपने शासन में कांग्रेस ने सिर्फ और सिर्फ नफरत फैलाई – अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने पार्टी प्रत्याशी श्रीमती माधवी लता जी के विशाल रोड शो में हिस्सा लिया व पार्टी कार्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज कांग्रेस की बुरी नजर जनता की संपत्ति पर पड़ चुकी है। संपत्ति, संतान, सीमा और सनातन को कांग्रेस से सीधा खतरा है। ये लोग आपकी मृत्यु के बाद भी अपना वसूली टैक्स जारी रखना चाहते हैं। कांग्रेस आपकी मृत्यु के बाद आपकी संपत्ति आपके बच्चों को नहीं बल्कि माइनॉरिटी के नाम पर घुसपैठियों को देना चाहती है क्योंकि वह उसके वोट बैंक हैं। स्पष्ट हो चुका है की कांग्रेस सनातन के बाद अब संतान विरोधी भी हो चुकी है। अनुराग ठाकुर ने श्रीमती माधवी लता जी के साथ चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर के पूजा अर्चना भी की। अनुराग ठाकुर ने उक्त बातें राहुल और राजीव गांधी जी के मेंटर और ओवरसीज कांग्रेस अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान के संदर्भ में कहीं जिसमें उन्होंने कहा है की भारतीयों की मृत्यु के बाद उनकी 55: संपत्ति सरकार को ले लेनी चाहिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज कांग्रेस का सम्पत्ति, सीमा सनातन और संतान विरोधी चेहरा सामने आ चुका है। साफ हो गया है कि यह जो फाइनेंशियल और इकोनॉमिक सेंसस करने की बात करते हैं उसका हिडन एजेंडा यही है की आपकी मृत्यु के बाद आपकी कमाई आपके बच्चों के बजाय घुसपैठियों को दे दी जाए। देश को सोचना होगा कि क्या उनकी संपत्ति, उनके बच्चों की सुरक्षा, हमारी सरहदें और देश का भविष्य कांग्रेस के हाथों में सुरक्षित है? अनुराग ठाकुर ने आगे कहा, राहुल

गांधी और ओवैसी औरंगजेब की यूनिवर्सिटी से पढ़े हैं और उसी की भाषा बोलते हैं। राहुल गांधी ने ओवैसी के खिलाफ कैंडिडेट क्यों नहीं दिया? क्या ओवैसी राहुल गांधी की बी टीम हैं या राहुल गांधी ओवैसी की बी टीम हैं? इसीलिए जो काटने और टुकड़े करने की बात करते हैं उनकी पतंग ऐसी काटो कि वह फिर काटने और कटने की बात करने लायक ना रह जाएं। इनके फर्जी वोटो का जिन बोतल में हमेशा हमेशा के लिए बंद कर दीजिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जहां एक ओर भारत तीरंदाजी में मेडल जीत रहा है तो वहीं दूसरी ओर हमारी बहन माधवी लता जी भी अपने तीर द्वारा अभेद्य किले को भेदने जा रही हैं। जबसे माधवी लता आई हैं ओवैसी लापता हैं। 40 वर्षों तक यहां राज कर गरीबों का हक मारने वालों की पतंग काटना जरूरी है। अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि आज राहुल गांधी जी और उनके सहयोगियों के मोहब्बत की दुकान में नफरत का सामान बिक रहा है। आज कांग्रेस शासित राज्यों में हमारी हिंदू बहन बेटियों को दरिंदे बेरहमी से मार डालते हैं तब राहुल गांधी, इनके लोग और इनका न्याय कहां चला जाता है? आज एक कांग्रेस काउंसलर लव जिहाद का शिकार हुई अपनी बेटी नेहा के लिए कांग्रेस की सरकार में सीबीआई जांच की मांग कर रहा है लेकिन उसके साथ अन्याय हो रहा है। राहुल गांधी पूरे विश्व में जाकर न्याय का ढोंग रच रहे हैं पर अपने ही लोगों को न्याय नहीं दे रहे हैं क्योंकि उनके लिए वोट बैंक पॉलिटिक्स जरूरी है। असल बात तो यह है कि 60 वर्षों के अपने शासन में इन्होंने सिर्फ और सिर्फ नफरत फैलाई है। कभी जाति के नाम पर, कभी धर्म के नाम पर, कभी क्षेत्र के नाम पर तो कभी भाषा के नाम पर। इनके लोग देश को टुकड़े–टुकड़े करने की सोच रखते हैं। कोई नारा लगाता है तो कोई नॉर्थ और साउथ को अलग करने की बात करता है। राहुल गांधी जी बताएं कि वह देश को कितने टुकड़ों में बांटना चाहते हैं और किस टुकड़े पर राज करना चाहते हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 10 वर्षों में कांग्रेस ने तेलंगाना को जितना दिया उससे चार गुना ज्यादा मोदी सरकार ने दिया है। मोदी जी ने अपने 10 वर्षों में कभी भेदभाव नहीं किया। उन्होंने समान रूप से सभी वर्गों के 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर लाया। चार करोड लोगों को पक्के आवास, 13 करोड़ नल से जल, 12 करोड़ शौचालय, 11 करोड़ बहनों को रसोई गैस सिलेंडर, अंतिम घर तक बिजली, 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज और 60 करोड़ से ज्यादा लोगों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज दिया है। इसका सबसे ज्यादा लाभ एससी, एसटी, ओबीसी और माइनॉरिटी को ही मिला है।

एक साल-एक पीएम फार्मूले पर चर्चा कर रही इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय गुट एक साल के प्रधान मंत्री के फॉर्मूले पर विचार कर रहा है क्योंकि वे एक प्रधान मंत्री चेहरे पर किसी सहमति पर नहीं पहुंच सके हैं। एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा कि वह सत्ता में आने के बाद पहले 100 दिनों के काम पर काम कर रहे हैं, विपक्षी गठबंधन के पास पीएम का कोई चेहरा भी नहीं है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश को पता चलना चाहिए कि उनका पीएम चेहरा कौन है। हमारी तरफ आपके सामने मोदी हैं, 10 साल की ट्रैक रिपोर्ट के साथ। विपक्ष को पीएम चेहरे की तलाश थी, लेकिन कोई नहीं मिल सका। अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वे एक साल–एक पीएम फॉर्मूले पर चर्चा कर रहे हैं जिसका मतलब है पांच

साल में पांच प्रधानमंत्री। देश का क्या होगा? उन्होंने हमला जारी रखते हुए कहा कि इसका मतलब है कि वे अब पीएम की कुर्सी नीलाम कर रहे हैं। कुर्सी पर एक व्यक्ति बैठेगा, और चार अन्य लोग उनका कार्यकाल खत्म होने का इंतजार करेंगे। यह सुनने में तो मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसा लगता है लेकिन यह हसीन नहीं है। यह बहुत ही डरावना प्रस्ताव है जो देश को बर्बाद कर देगा। इससे आपके सारे सपने चकनाचूर हो जायेंगे। 26 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान से पहले, पीएम मोदी के इस दावे के साथ लड़ाई तेज हो गई है कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा था कि वह धन छीनेगी और उसका पुनर्वितरण करेगी। हमारे संविधान निर्माताओं ने मिलकर धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दे सकते, ये निर्णय किया था। ये हमारे संविधान की मूल भावना थी, लेकिन कांग्रेस के कारनामे संविधान के मूल भावना के भी खिलाफ हैं। कांग्रेस हमेशा बाबा साहेब के संविधान को मिटाने और एससी/एसटी और ओबीसी से आरक्षण को छीनने की कोशिश करती रही है। कांग्रेस एससी/ एसटी और ओबीसी से आरक्षण छीन कर अपने खास वोट बैंक को देना चाहती है।

10 साल में पीएम मोदी ने बदली भारत की छवि – सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में भाजपा राज्य मुख्यालय में एक मीडिया सेंटर के उद्घाटन के दौरान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोदी सरकार के लिए मजबूत समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आम लोगों में मोदी सरकार को एक बार फिर सत्ता में लौटते देखने की तीव्र इच्छा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पिछले एक दशक में परिवर्तनकारी प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने देश की छवि को काफी हद तक बदल दिया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आम लोगों में एक ही भावना है कि वे एक बार फिर मोदी सरकार चाहते हैं। पीएम मोदी ने पिछले 10 वर्षों में देश की छवि बदल दी है और उनके सकारात्मक प्रयासों ने भारत के लोगों का समर्थन

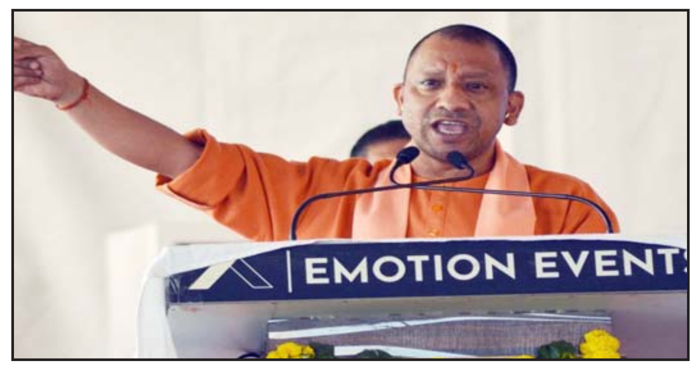

अर्जित किया है। विपक्ष पर वार करते हुए योगी ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया की मंशा अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जाति के अधिकारों पर डकैती डालना है। इसके लिए वे सरकार में आना चाहते हैं और जातीय जनगणना कराना चाहते हैं। भाजपा नेता ने जोर देते हुए कहा कि जातीय जनगणना के आधार पर वे समाज को बांटना चाहते हैं। कांग्रेस की मंशा हमेशा सत्ता प्राप्त करने की रही है। वे देश की कीमत पर सत्ता प्राप्त करना चाहते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ का कहना है।

जनता की आंखों में धूल झोंक रही है कांग्रेस - राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बौद्धिक सम्मेलन को संबोधित किया। राज्य में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हो रहे हैं। अपने संबोधन में राजनाथ ने कहा कि जब भी मुझे आंध्र प्रदेश आने का अवसर मिलता है तो मुझे यहां का जीवंत कल्चर, जबरदस्त संभावनाएं अपनी ओर आकर्षित करता है। वर्ष 2013 में जब आंध्र प्रदेश का विभाजन हुआ तो बहुत सारे बकाया मुद्दों का समाधान कांग्रेस ने नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि रिलीजन के नाम पर देश को बांटने वाली कांग्रेस आजादी के बाद पहले दिन से ही समाज को बाँटने वाली तुष्टिकरण की राजनीति करती चली आ रही है। तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति कांग्रेस के डीएनए में है। राजनाथ ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए की सरकार थी तो उन्होंने 'रंगनाथ मिश्र कमीशन' और 'सच्चर कमीशन' का गठन किया था। इन दोनों कमीशनों का उद्देश्य था कि कैसे एक संप्रदाय विशेष को अल्पसंख्यक कल्याण के नाम पर तरजीह दी जाए। स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी ने कहा था कि इस देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अगर किसी का है तो अल्पसंख्यकों का है और खासकर मुसलमानों का है। मेरा मानना है कि यह असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि वह आंध्र प्रदेश की कांग्रेस सरकार ही थी जिसने यहाँ कांग्रेसी के 'कम्यूनल एजेंडे' की पहली लेबोरेटरी बनाई थी और यहाँ पर मुस्लिम समुदाय को कंस्टीट्यूशन की धज्जियाँ उड़ाते हुए सरकारी नौकरियों में मजहब के आधार पर आरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि यह आंध्र प्रदेश में एससी/एसटीऔर ओबीसी को मिले आरक्षण में से कमी करके मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया गया और वोटबैंक की राजनीति के चलते डर्टी गेम खेला गया। मगर आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने इस निर्णय पर रोक लगा दी। उसके बावजूद, साल 2004 से 2010 के बीच कांग्रेस ने 4 बार आंध्र प्रदेश में 'मुस्लिम

रिजर्वेशन' लागू करने की कोशिश की। लेकिन कानूनी अड़चनों और सुप्रीम कोर्ट की जागरूकता के कारण वो अपने मंसूबे पूरे नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि प्रधानमंत्री झूठ बोल रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि कांग्रेस खुलेआम इस देश की जनता की आँखों में धूल झोंक रही है। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने जो अपना मैनिफेस्टो बनाया है, उसमें उसने जो जो वादे किए हैं।

यूपीए सरकार ने मुंबई हमलों के बाद कोई सैन्य कार्रवाई नहीं की – एस. जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दावा किया कि पिछली संप्रग सरकार ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद यह कहते हुए "कुछ नहीं करने" का फैसला किया कि "पाकिस्तान पर हमला नहीं करने की तुलना में उस पर हमला करना अधिक महंगा (साबित) होगा"। भारत को 'ग्लोबल साउथ' (जिसमें लगभग 125 देश शामिल हैं) की आवाज बताते हुए उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' के देश दुनिया में अपने मुद्दों और पदों को लेकर भारत पर भरोसा करते हैं। विदेश नीति भारत का रास्ता संदेह से विश्वास तक' विषय पर एक सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि देश का उन कुछ देशों के प्रति नैतिक दायित्व है, जो औपनिवेशिक शासन के अधीन थे और भारत की तरह शीघ्रता से उबर नहीं सके, पुनर्निर्माण नहीं कर सके। उन्होंने कहा, "हम 'ग्लोबल साउथ की आवाज हैं, जो दुनिया के लगभग 125 देशों में से एक है। ये देश अपने मुद्दे, दुनिया में अपनी स्थिति को लेकर भारत पर भरोसा करते हैं।" ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि भारत के सामने सीमाओं पर कुछ चुनौतियां हैं और उनका बचाव करने की कुंजी केवल सार्वजनिक रूप से पेश आना नहीं है, बल्कि बुनियादी ढांचे का निर्माण करना, सेना का समर्थन करना और एक ऐसी प्रणाली बनाना है जो सीमा पर खतरा होने पर प्रतिक्रिया दे। उन्होंने पिछले संप्रग कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा।

कन्नौज से खुद चुनावी मैदान में उतरेंगे अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव ने बताया कि अखिलेश यादव गुरुवार को कन्नौज लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। को समाजवादी पार्टी के गढ़ से मैदान में उतारने के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था। इससे पहले सपा बदायूं, मेरठ, मोरादाबाद, मिश्रिख, गौतमबुद्ध नगर

उन्होंने कहा कि इस सीट से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को लेकर कोई भ्रम नहीं है। यह तब आया है जब पार्टी की स्थानीय इकाई ने उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम से अपने भतीजे तेज प्रताप सिंह यादव सीट से भी उम्मीदवार बदल चुकी है। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को तेज प्रताप सिंह यादव को कन्नौज से उम्मीदवार घोषित किया था। तेज प्रताप सिंह यादव की कन्नौज से उम्मीदवारी की घोषणा के बाद उन अटकलों पर विराम लग गया था कि समाजवादी पार्टी सुप्रीमो इस सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। जबकि सपा अपने कन्नौज लोकसभा उम्मीदवार के बारे में अनिर्णय में थी, भाजपा ने मौजूदा सांसद और उसके उत्तर प्रदेश महासचिव सुब्रत पाठक को चुना है और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने इमरान बिन जफर को निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा है। खबर यह भी थी कि पार्टी अपना गढ़ रहे कन्नौज को लेकर किसी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहती थी। तेज प्रताप की उम्मीदवारी के ऐलान के बाद से ही सपा की लोकल यूनिट इस फैसले के विरोध में उतर आई थी। इनका कहना था कि तेज प्रताप को यहां कोई नहीं जानता। वे पार्टी की स्थिति कन्नौज से कमजोर होने देने का मौका नहीं चाहते। तेज प्रताप सिंह यादव, जो दिवंगत मुलायम सिंह यादव के पोते और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू प्रसाद यादव के दामाद हैं, ने 2014–19 तक मैनपुरी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया। 2014 के चुनाव में स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने आजमगढ़ और मैनपुरी से चुनाव लड़ा और दोनों में जीत हासिल की। बाद में उन्होंने मैनपुरी सीट छोड़ दी जहां समाजवादी पार्टी ने तेज प्रताप सिंह यादव को मैदान में उतारा। तेज प्रताप सिंह यादव को 2019 में टिकट नहीं दिया गया और नेता जी ने मैनपुरी सीट से चुनाव लड़ा। मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण जरूरी हुए मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव में डिंपल यादव ने जीत हासिल की। 2019 में बीजेपी के सुब्रत पाठक ने कन्नौज में अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को हराया। 2014 के आम चुनाव के साथ–साथ 2012 के उपचुनाव में भी डिंपल यादव ने यह सीट बरकरार रखी।

विपरीत परिस्थितियों में भी देश को आगे बढ़ाने का काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया – नड्डा

बिहार, एजेंसी। बिहार में चुनावी प्रचार जोर पकड़ चुका है। इसी बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा बिहार में चुनाव प्रचार करने पहुंचे हैं। राजनगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि आज देश में रिपोर्ट कार्ड, जवाबदेही, विकासवाद और लोगों की सेवा करने की राजनीति चलती है। ये संस्कृति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमें मिली है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी देश को आगे बढ़ाने का काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है। एक मजबूत सरकार बनाकर उन मुद्दों को पूरा किया, जिनके लिए आप वर्षों से लगे हुए थे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आपने मजबूत सरकार बनाई, तो अयोध्या में भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई। आपने मजबूत सरकार बनाई, तो धारा 370 को धराशायी कर दिया गया। तीन तलाक को सदा के लिए समाप्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आपने मजबूत सरकार बनाई, तो सीएए लाकर बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से प्रताड़ित होकर भारत आए हमारे हिंदू, पारसी, सिख, ईसाई भाइयों को नागरिकता दी गई। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये घमंडिया अलायंस परिवारवादी और भ्रष्टाचारी पार्टियों का जमावड़ा है। इसमें हर तरह का भ्रष्टाचार करने वाले लोग हैं। ये सभी लोग या तो बेल पर हैं या जेल में हैं। नड्डा ने कहा कि लालू प्रसाद का चारा घोटाला तो पुराना हो गया है, उस पर तो ये बेल पर हैं। अब तो इन्होंने नौकरी के बदले जमीन का घोटाला कर दिया। गरीब लोगों को नौकरी देने के बहाने उनकी जमीन ले ली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने कोर्ट में एफिडेविट दिया था कि राम काल्पनिक हैं, उनका कोई वैज्ञानिक आधार या ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है। ये कोर्ट में केस को अटकाते थे, लटकाते थे, भटकाते थे।

संपादकीय

एक पहचान का संकट

पिछले साल, जब मेरी बेटी स्कूल में कक्षा नौ में दाखिल हुई, तो मुझे उसका आईसीएसई पंजीकरण फॉर्म भरना पड़ा। वह और मैं उस कार्यालय में गए जहां नामित स्कूल प्रशासक कागजात एकत्र कर रहा था। व्यवस्थापक ने मुझे बताया कि एक प्रश्न अनुत्तरित रह गया है छात्र का धर्म। मैंने इसे जानबूझकर खाली छोड़ दिया था – यह बेहद अप्रासंगिक लगा था। लेकिन प्रशासक अपना कर्तव्य निभा रही थी यह सुनिश्चित करना उसका काम था कि सभी अनुभाग विधिवत भरे हुए हों। इससे निपटने का एक ही रास्ता नजर आ रहा था. मैं अपनी बेटी की ओर मुड़ा और उससे पूछा– तुम्हारा धर्म क्या है? बिना पलक झपकाए उसने कहा, लागू नहीं होता। मैं प्रशासक की ओर मुड़ा, कंधे उचकाए और कहा, लागू नहीं – और उस स्थान पर एन/ए लिख दिया। महिला ने हमारी ओर देखा, झिझक भरी मुस्कान दी, और फॉर्म ले लिया, मुझे बहुत राहत मिली कि उसने फॉर्म पर एक आवश्यक प्रश्न की तरह लगने वाले 13 वर्षीय लड़की की बिना शर्त प्रतिक्रिया को स्वीकार कर लिया था। यदि मुझे कोई ऐसा फॉर्म भरना होता जिसमें मुझे स्वयं उस प्रश्न का उत्तर देना होता तो मैं क्या करता? मुझे एहसास है कि मैं इस सवाल से नाराज हो गया होता, लेकिन मैंने शायद हिंदू लिखा होता। कई धर्मों की सौंदर्य और दार्शनिक परंपराओं के एक अविश्वासी प्रशंसक के रूप में, मुझे यह महसूस हुआ है कि खुद को हिंदू कहना ठीक है, भले ही कोई कभी मंदिर न जाए या प्रार्थना में शामिल न हो। शायद मेरी पहचान हिंदू धर्म की एक तरल और व्यापक दृष्टि का भी सपना देखती है जिसे हमने खो दिया है लेकिन मुझे लगता है कि हमें इसे जारी रखना चाहिए। लेकिन वास्तविक प्रश्न जो विशेष रूप से इस श्एनध्एश क्षण के बाद से मुझे परेशान कर रहा है, वह यह हैरू आज किसी की सामाजिक पहचान की घोषणा को प्रकट करने, दबाने, दावा करने या अस्वीकार करने के लिए क्या करना पड़ता है? विशेषाधिकार? डर? गुस्सा? गर्व? इस प्रश्न ने जिन पहचानों को सबसे अधिक प्रभावित किया है वे हैं धर्म और जाति। आज भारत में, ये परेशान करने वाली वास्तविकताएं हैं, और उनके रहस्योद्घाटन का मार्ग सभी प्रकार की नैतिक और राजनीतिक बारूदी सुरंगों से भरा हो सकता है। उत्तरी अमेरिका में छात्र और अकादमिक के रूप में बिताए गए सत्रह वर्षों में, मैंने पाया कि समान अवसरध्सकारात्मक कार्रवाई की घोषणाएँ हमेशा स्वैच्छिक होती हैं। उन्होंने नस्ल और जातीयता, लिंग (और कभी–कभी कामुकता), विकलांगता और सैन्य अनुभवी स्थिति पर ध्यान केंद्रित किया। मैंने इन रूपों में धर्म को कभी नहीं देखा (हालाँकि यह कुछ अवसरों पर अन्यत्र दिखाई दिया)। अब यह ज्ञात है कि कुछ अमेरिकी विश्वविद्यालयों ने प्रवासी भारतीयों में उच्च जाति के हिंदुओं द्वारा प्रतिगामी सामाजिक व्यवहार के दीर्घकालिक पैटर्न के कारण, अपने सकारात्मक कार्रवाई कार्यक्रमों में जाति को शामिल किया है। दिल्ली–एनसीआर में निजी उदार कला विश्वविद्यालय, जहां मैं अब पढ़ाता हूं, के छात्रों ने हाल ही में छात्रों और कर्मचारियों की जाति जनगणना की मांग को लेकर कई हफ्तों तक विरोध प्रदर्शन किया। विरोध करने वाले छात्र समूह के रंगीन और अत्यधिक अतिशयोक्तिपूर्ण नारे में दावा किया गया है कि यह विश्वविद्यालय ष्कुछ बनिया संस्थापकों द्वारा अधिग्रहित भूमि पर बना है, जो बंगाली ब्राह्मण प्रोफेसरों को दी गई है, जहां गैर–बंगाली ब्राह्मण प्रोफेसर हैं। कुछ श्वेत और शेष सवर्ण संकाय के साथ अल्पसंख्यक। आप जो चाहें बना लें, लेकिन जाति सर्वेक्षण करने के लिए संस्थागत अनिच्छा के पीछे एक कारण यह था कि इसके सदस्यों, छात्रों या कर्मचारियों से पहचान–आधारित प्रश्न पूछने में झिझक होती थी। निजी पर विचार कर सकता है। विश्वविद्यालय तब से संस्थान के सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण और एक समान अवसर सेल की स्थापना के लिए सहमत हो गया है, और छात्रों ने अपना विरोध प्रदर्शन बंद कर दिया हैरू लेकिन परेशान करने वाला सवाल बना हुआ हैरू अगर ऐसे लोग हैं तो क्या होगा अपनी जाति की पहचान का खुलासा करने में सहज नहीं हैं – और अगर कुछ अनिच्छा उत्पीड़ित जाति के लोगों से आती है तो क्या यह नैतिक है कि सर्वेक्षणों में पहचान के आधार पर स्व–घोषणा की आवश्यकता होती है, जो व्यक्तियों के लिए अनिवार्य और बाध्यकारी है? विशेषाधिकार किसी को पहचान और सांप्रदायिक संबंधों के दावों के प्रति उदासीन बना सकता है, लेकिन हाशिए पर होने और उत्पीड़न के डर से किसी को ऐसे दावों को रोकने या छिपाने के लिए मजबूर करना कहीं अधिक संभव है। इस तरह का छिपाव हास्य की अजीब भावना भी दिखा सकता है। बिहार जाति सर्वेक्षण पर विकिपीडिया प्रविष्टि इस घटना का वर्णन करती है कि अरवल जिले के एक रेड–लाइट जिले में लगभग 40 महिलाओं ने एक रूपचंद को अपने पति और अपने बच्चों के पिता के रूप में पहचाना। बाद में पूछताछ से पता चला कि श्रूपचंदश कोई आदमी या इंसान नहीं था, बल्कि इस समुदाय में पैसे का नाम था। कुछ स्थानों पर रिश्तेदारों का नाम बताने की मांग उस समाज के लिए रिश्तेदारी संरचनाओं की असमानताओं को ही उजागर करती है जो स्थापित मानदंडों पर प्रश्नावली तैयार करता है। दिल्ली के जिस उपनगर में हम रहते हैं, वहां अब घरेलू नौकरानी के रूप में रोजगार की तलाश करने वाली मुस्लिम महिलाओं के लिए ऐसे नामों का इस्तेमाल करना आम हो गया है जो इस्लामी नहीं लगते। वे पोली और तनु का अनुसरण करना अधिक पसंद करेंगे, और जबकि मैं अभी तक व्यक्तिगत रूप से किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिला हूं।

जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे

ललित

शांति के तमाम उपायों के बीच दुनियाभर में सैन्य खर्च, शस्त्रीकरण एवं घातक हथियारों की होड़ किसी खतरे की घंटी से कम नहीं। शस्त्रीकरण के भयावह दुष्परिणामाओं से समूचा विश्व भयाक्रांत है, हर पल आणविक हथियारों के र्प्रयोग को लेकर दुनिया डर के साये में जी रही है। इसीलिये आज अयुद्ध, निशस्त्रीकरण एवं शांति की आवाज चारों ओर से उठ रही है। शक्ति संतुलन के लिये शस्त्र–निर्माण एवं शस्त्र संग्रह की बात से किसी भी परिस्थिति में सहमत नहीं हुआ जा सकता। क्योंकि इससे अपव्यय हो होता ही है, साथ ही किसी भी गलत हाथों से दुरुपयोग होने की बहुत संभावनाएं रहती है। ताजा घटनाक्रम को देखें तो एक ओर रूस और यूक्रेन आमने–सामने हैं, वहीं दूसरी तरफ इजरायल और ईरान के बीच तल्खी भी चरम पर है। चीन और ताइवान के बीच भी रह–रह कर युद्ध के बदल मंडरा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल भी गूंजना स्वाभाविक है कि क्या सचमुच दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ते हुए घातक हथियारों के उपयोग की प्रयोगभूमि बन रही है? सवाल दूसरे ओर भी हैं। स्टॉकहोम इन्टरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की हथियारों पर आयी ताजा रिपोर्ट ऐसे ही सवाल खड़े कर रही है। इसका संतोषजनक जवाब शायद ही मिले क्योंकि दुनिया सीधे–सीधे दो खेमों में बंट गई है। स्टॉकहोम की रिपोर्ट के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, डराने वाले हैं। शांति के तमाम उपायों के बीच दुनियाभर में सैन्य खर्च का बढ़ना एवं नये–नये हथियारों का बाजार गरम होना, चिन्ताजनक है। रिपोर्ट में खास बात यह है कि दुनिया में र्सवाधिक सैन्य खर्च करने वाले देशों में भारत चौथे नंबर पर बरकरार है। शांति एवं अहिंसा की भूमि पर हथियारों का जमावड़ा उसकी कथनी एवं करनी के भेद को उजागर कर रहा है। ये सवाल स्वाभाविक है कि जब प्रत्येक देश शाांति बनाए रखने की वकालत करता है फिर हथियारों की होड़ लगातार क्यों बढ़ रही है? भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार घ्ध्आयातक देश बन चुका है। स्टॉकहोम की ओर से जारी रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। भारत ने बीते पांच साल में दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार खरीदे हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यूरोप का हथियार आयात 2014–18 की तुलना में 2019–23 में लगभग दोगुना बढ़ा है, जिसके पीछे रूस–यूक्रेन युद्ध बड़ा कारण माना जा रहा है। वहीं, इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में सबसे ज्यादा हथियार एशियाई देशों ने खरीदे हैं। इस लिस्ट में रूस–यूक्रेन का युद्ध देश के रक्षा निर्यात को काफी प्रभावित किया है। इस कारण से पहली बार रूस हथियार निर्यात में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। तो वहीं, अमेरिका पहले और फ्रांस दूसरे नंबर पर है। पिछले 25 सालों में पहली बार, संयुक्त राज्य अमेरिका एशिया और ओशिनिया का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा। अमेरिका की हथियारों की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। अब तो दुनिया के साथ–साथ अमेरिका स्वयं ही इन हथियारों एवं हिंसक मानसिकता का शिकार है। अमेरिका दुनिया पर आधिपत्य स्थापित करने एवं अपने शस्त्र कारोबार को पनपाने के लिये जिस अपसंस्कृति को उसने दुनिया में फैलाया है, उससे पूरी मानवता कराह रही है, पीड़ित है। अमेरिका ने नई विश्व व्यवस्था (न्यू वर्ल्ड आर्डर) की बात की है, खुलेपन की बात की है लगता है "विश्वमानव" का दम घुट रहा है और घुटन से बाहर आना चाहता है। विडम्बना देखिये कि अमेरिका दुनिया का सबसे अधिक शक्तिशाली और सुरक्षित देश है लेकिन उसके नागरिक सबसे अधिक असुरक्षित और भयभीत नागरिक हैं। वहां की जेलों में आज जितने कैदी हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं। ऐसे कई वाकये हो चुके हैं कि किसी रेस्तरां, होटल या फिर जमावड़े पर अचानक किसी सिरफिरे ने गोलीबारी शुरू कर दी और बड़ी तादाद में लोग मारे गए। 2014 में अमेरिका में हत्या के कुल दर्ज करीब सवा चौदह हजार मामलों में अड़सठ फीसद में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था। एक तरफ अमरीका और उसके सहयोगी नाटो देश हैं तो दूसरी तरफ रूस–चीन का गठजोड़ है। तटस्थ रहने वाले देश भी गाहे–बगाहे अप्रत्यक्ष रूप से किसी न किसी खेमे की तरफ झुकाव प्रदर्शित करते रहे हैं। ऐसे में आखिरी उम्मीद संयुक्त राष्ट्र ही रह जाता है। जबकि संयुक्त राष्ट्र की शक्तियां एवं उद्देश्य कोरे दिखावे के हैं, समूची दुनिया इससे वाकिफ है। वह ऐसे किसी भी संकट में शांति प्रस्ताव पारित कर अपनी जिम्मेदारियों से इतिश्री कर पला झाड़ लेता है। वह न तो रूस–यूक्रेन के संघर्ष में और न ही इजरायल–फिलिस्तीन संघर्ष रोकने में कोई सार्थक भूमिका अदा कर पा रहा है। उसके कड़े से कड़े फैसले भी आखिर में महाशक्तियों के वीटो के सामने हथियार डाल देते हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अस्तित्व में आया संयुक्त राष्ट्र कहने को तो दुनिया के देशों का सबसे बड़ा मंच है पर युद्धों को रोकने में उसकी भूमिका नगण्य है। ऐसे में दुनिया में बढ़ते हथियारों की होड़ एवं युद्ध की संभावनाओं को आखिर कौन–कैसे–किसको रोके? जाहिर है, ऐसी परिस्थितियों में तो हथियारों की होड़ बढ़ेगी ही। अमरीका एक तरफ युद्ध की तरफ बढ़ रहे देशों से शांति की अपील करने में सबसे

आगे रहता है। लेकिन दूसरी तरफ अमरीकी हथियार कंपनियां तमाम देशों को खरबों रुपए के हथियार बेच रहीं है। इन कंपनियों के लिए तो युद्धकाल ही स्वर्णकाल होता है। ऐसे दौर में जब अधिकांश देश शिक्षा, रोजगार व सेहत के मोर्चे पर संकटों का सामना कर रहे हैं, हथियारों की इस होड़ को रोका ही जाना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भीषणतम तबाही एवं सर्वनाश का कारण बनता दिख रहा है। रूस द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल किये जाने एवं यूक्रेन के द्वारा 'डर्टी बम' का इस्तेमाल किये जाने की धमकियां, दुनिया के लिये डर का कारण बन रही है। भयंकर विनाश की आशंकाओं के बीच समूची दुनिया सहमी हुई है। यदि परमाणु हथियारों का उपयोग होता है तो यह मानवता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ होगा एवं दुनिया को अशांति की ओर अग्रसर करने वाला होगा। अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा इसलिए बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। इस युद्ध को चलते लंबा वक्त हो गया।

घटता–बढ़ता रहता है मतदान, इसे ट्रेंड न माना जाए

अवधेश

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 102 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान संपन्न होने को लेकर कई तरह के आकलन सामने आ रहे हैं। पहले चरण में नौ राज्यों तथा तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदान संपन्न हो चुका है। माना जा रहा था कि देश के एक बड़े हिस्से में मतदान संपन्न होने के बाद इसकी प्रवृत्तियों का आकलन करना थोड़ा आसान हो जाएगा। लेकिन मतदान के बाद आम टिप्पणी यही है कि मतदान प्रवृत्तियों का आकलन आसान होने के बजाय कठिन हुआ है। बहरहाल, पहले चरण के मतदान की सबसे बड़ी विशेषता रही कि पश्चिम बंगाल और मणिपुर को छोड़कर कहीं भी हिंसा की घटना नहीं हुई। किसी बड़ी घटना का न होना बताता है कि हमारे देश का चुनाव तंत्र बिल्कुल सहज, सामान्य और सुव्यवस्थित ढंग से काम कर रहा है। इसका अर्थ यह भी है कि हम कम अवधि और कम चरणों में भी लोकसभा चुनाव को पूरा कर सकते हैं। सबसे ज्यादा चर्चा पहले चरण में मतदान प्रतिशत कम होने को लेकर हो रही है और इस बारे में कई तरह के आकलन किए जा रहे हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि सभी क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत ज्यादा गिरा है। इनमें भी सभी जगह मतदान एक समान भी नहीं रहे। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में ज्यादा मतदान हुए, तो बिहार और उत्तराखंड में अत्यंत कम। इन दोनों राज्यों में भी अलग–अलग क्षेत्र को देखें, तो कहीं ज्यादा, तो कहीं कम मतदान हुआ है। यह साफ है कि एकाध स्थानों को छोड़कर ज्यादातर जगहों में मतदान प्रतिशत गिरा है। उत्तर प्रदेश में 2019 के मुकाबले लगभग 5.30 प्रतिशत कम मतदान हुआ। चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, यह करीब 68.29 प्रतिशत है। यानी करीब 1.14 फीसदी कम मतदान हुआ है, तो कहा जा सकता है कि मतदान प्रतिशत में ज्यादा गिरावट नहीं है। नगालैंड में मतदान प्रतिशत इसलिए ज्यादा गिरा, क्योंकि वहां के छह जिलों में एक भी वोट नहीं डाला गया। ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स फ्रंट ने अलग राज्य की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था। इसे हम मतदान में कमी की प्रवृति नहीं मान सकते। करीब डेढ़ दशक पहले मतदान घटने का अर्थ सत्तारूढ़ घटक की विजय तथा मतदान बढ़ने का अर्थ पराजय के रूप में लिया जाता था और प्रायः ऐसा देखा भी गया। किंतु 2010 के बाद यह प्रवृत्ति बदली है। मतदान बढ़ने के बावजूद सरकारें वापस सत्ता में आई हैं और मतदान घटने के बावजूद गई भी हैं। इसलिए इस आधार पर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। दूसरे, हर जगह मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा भी नहीं है। तीसरे, बंगाल में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों पक्षों के मतदाताओं में एक–दूसरे को हराने और जिताने के लिए प्रखर प्रतिस्पर्धा है। सबसे ज्यादा चर्चा उत्तर प्रदेश की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मतदान प्रतिशत का घटना सामान्य नहीं है। इस क्षेत्र में जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण होता है। ऐसे में यह आकलन करना कठिन है कि जहां मतदान प्रतिशत गिरा, वहां किस पक्ष या पार्टी के मतदाता नहीं आए। अगर भाजपा विरोधी उसे हराना चाहते थे, तो उन्हें भारी संख्या में निकलना चाहिए। कहा यह भी जा रहा है कि सपा के कोर मतदाता यानी मुसलमान और यादवों का बड़ा समूह आक्रामक होकर मतदान कर रहा था। विरोधी भारी संख्या में निकलेंगे, तो समर्थक भी इसका ध्यान रखेंगे। हालांकि उम्मीदवारों के चयन, दूसरे दलों से आए लोगों को महत्व मिलने तथा कहीं–कहीं गठबंधन को लेकर भाजपा समर्थकों व कार्यकर्ताओं में थोड़ा असंतोष है तथा एक जाति विशेष ने भी विरोधात्मक रूप अख्तियार किया था। बावजूद इसके यह कहना कठिन होगा कि भाजपा समर्थक मतदाता ही ज्यादा संख्या में मतदान करने नहीं निकले।

अभी तक के चुनाव अभियान में जनता की उदासीनता दिखी है। हालांकि विपक्ष के प्रचार के विपरीत प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार को लेकर आम जनता में व्यापक आक्रोश नहीं दिखा है। कल्याण कार्यक्रमों के लाभार्थी तथा विकास नीति की प्रशंसा करने वाले हर जगह दिखाई देते हैं। रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा से लेकर समान नागरिक संहिता एवं नागरिकता संशोधन कानून आदि पर विपक्ष के रवैये ने भाजपा समर्थकों में प्रतिक्रिया भी पैदा की है। असंतुष्ट लोगों में भी यह भाव है कि अगर यह सरकार हार गई, तो कहा जाएगा कि हिंदुत्व विचारधारा की हार हो गई है। जिस जाति के विद्रोह की चर्चा हो रही है, वे भी भाजपा के प्रति सहानुभूति रखते हैं। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि इन्होंने भाजपा के विरोध में मतदान किया होगा।

मौसम की तरह बदलते हैं राजनीति रंग

विनोद

पश्चिम बंगाल में पर्वतीय क्षेत्र की एकमात्र संसदीय सीट दार्जिलिंग में राजनीति का रंग भी इलाके के मौसम की तरह ही बदलता रहता है। यह सीट बीते तीन बार से भाजपा ही जीतती रही है। लेकिन अकेले अपने बूते नहीं बल्कि स्थानीय गोरखा पार्टियों के समर्थन से। अबकि बार भी भाजपा ने पिछले विजेता राजू विस्टा को दोबारा मैदान में उतारा है। लेकिन भगवा पार्टी के ही कालिम्पोंग के विधायक विष्णु शर्मा ने निर्दलीय के तौर पर मैदान में उतर कर उनकी राह मुश्किल बना दी है। इस सीट के लिए दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है। अब चुनाव से तीन दिन पहले कांग्रेस के महासचिव और गोरखा नेता विनय तामंग ने अचानक भाजपा उम्मीदवार का समर्थन कर दिया है। मजबूरन पार्टी को उनको छह साल के लिए निकालना पड़ा है। इस सीट पर भाजपा के राजू विस्टा का मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के गोपाल लामा से है। दार्जिलिंग उन गिनी–चुनी सीटों में से है जहां तृणमूल कांग्रेस कभी जीत नहीं सकी है। इस बार सुभाष घीसिंग की ओर से स्थापित गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट (जीएनएलएफ) भाजपा को समर्थन दे रही है तो विमल गुरुंग की गोरखा जनमुक्ति मोर्चा तृणमूल कांग्रेस के साथ है। इस संसदीय सीट पर पहले कांग्रेस का कब्जा रहा था। उसके बाद लंबे समय तक यह सीपीएम के कब्जे में रही। लेकिन पिछले तीन संसदीय चुनाव से इस पर भाजपा का कब्जा रहा है। हालांकि यहां हर बार सांसद बदलते रहे हैं। वर्ष 2009 में यहां कांग्रेस जीती थी। लेकिन 2009 के चुनाव में भाजपा के जसवंत सिंह यहां से जीते थे। वर्ष 2014 में पार्टी ने एक बार फिर उम्मीदवार बदलते हुए एस।एस।अहलूवालिया को यहां मैदान में उतारा था। यहां जीत कर वो केंद्र में मंत्री बने थे। लेकिन 2019 में भाजपा ने आहलुवालिया को बर्दवान–दुर्गापुर सीट पर भेज दिया और दार्जिलिंग में राजू विस्टा को अपना उम्मीदवार बनाया। पार्टी ने इस बार लगातार दूसरी बार राजू को टिकट दिया है। हालांकि आखिरी समय तक यहां पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन सिंगला के नाम पर चर्चा की जा रही थी। राजू विस्टा उम्मीद जताते हैं कि इस बार भी उनकी जीत तय है। लेकिन कालिम्पोंग के भाजपा विधायक विष्णु प्रसाद शर्मा ही निर्दलीय के तौर पर उनकी राह का कांटा बन गए हैं। शर्मा इस सीट पर टिकट की मांग कर रहे थे। लेकिन जब टिकट नहीं मिला तो उन्होंने नाराज होकर निर्दलीय के तौर पर पर्चा भर दिया। उनकी दलील थी कि यहां पहाड़ के भूमि पुत्र को ही टिकट दिया जाना चाहिए। वैसे, पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनाव के आंकड़े राजू के पक्ष में हैं। वर्ष 2014 के चुनाव में भाजपा यहां 1।97 लाख वोटों के अंतर से जीती थी। लेकिन वर्ष 2019 में यह अंतर बढ़ कर 4।13 लाख तक पहुंच गया था। उसे मिलने वाले वोट भी 42।73 फीसदी से बढ़कर 59।19 फीसदी पहुंच गए थे। दूसरी ओर, तब तृणमूल कांग्रेस को 26।56 फीसदी वोट से ही संतोष करना पड़ा था। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का वोट घट कर 43।68 फीसदी हो गया और तृणमूल का बढ़ कर 31।37 फीसदी। भाजपा इलाके के छह विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। तब तृणमूल कांग्रेस सिर्फ चोपड़ा सीट ही जीत सकी थी। इन आंकड़ों से साफ है कि पहाड़ियों के मौसम की तरह इलाके का राजनीतिक संतुलन भी लगातार बदलता रहा है। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस के गोपाल लामा दावा करते हैं कि भाजपा सांसद ने इलाके की समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की है। इसलिए पहाड़ के लोगों ने अबकी बदलाव का मन बना लिया है। पार्टी की ओर से ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी इलाके में चुनावी रैलियां कर चुके हैं।जहां तक मुद्दों का सवाल है अलग गोरखालैंड की दशकों पुरानी मांग के अलावा इलाके में बढ़ता प्रदूषण और चाय बागान उद्योग की समस्याएं ही सबसे बड़े मुद्दे के तौर पर सामने आए हैं। इसके अलावा इलाके का विकास और पीने के पानी के संकट के साथ अंधाधुंध शहरीकरण पर अंकुश लगाने जैसे मुद्दे भी उठाए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर भाजपा अपनी इस सीट को बचाने में कामयाब रहती है तो यह पहला मौका होगा जब कोई पार्टी लगातार चार बार यहां से जीतेगी। उसके साथ ही राजू विस्टा इस सीट से लगातार दो बार जीतने वाले भाजपा के पहले नेता बन जाएंगे।

मुइज्जू और मालदीव की मुश्किलों के बीच नहीं होगा भारत की नीतियों में बदलाव

आदित्य

बीते 21 मई को मालदीव में संसदीय चुनाव हुआ, जिसमें इस्लामी राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू के गठबंधन पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने भारी जीत हासिल की, जिसने प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) के साथ गठबंधन किया था। आरोप हैं कि चीनी पैसे के बल पर नतीजे बदल दिए गए। मालदीव की संसद में कुल 93 सीटें हैं, जिनमें मतदाताओं की संख्या कहीं 1,000 से भी कम है, तो कहीं 3,000 से थोड़ा ज्यादा। निवर्तमान पीपुल्स मजलिस ने मुइज्जू की कई पहलों के साथ–साथ नामांकित कैबिनेट सदस्यों की नियुक्ति को भी रोक दिया था। अब कम से कम कुछ महीनों तक राष्ट्रपति समर्थक और विरोधी सांसदों को मारपीट करते हुए नहीं देखा जा सकता है। वर्ष 2023 में मुइज्जू इंडिया आउट अभियान चलाकर राष्ट्रपति का चुनाव जीते थे। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया और उनके कुछ भारतीय पिछलग्गू इसे चीन की बहुत बड़ी जीत और भारत का भारी

नुकसान बता रहे हैं, खासकर भारतीय सेना की छोटी–सी टुकड़ी के मालदीव छोड़ने के बाद। लेकिन ये विश्लेषक भ्रमित हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय संबंध ऐसा खेल नहीं है, जिसमें एक पक्ष को जितना लाभ होता है, ठीक उतनी ही हानि दूसरे पक्ष को होती है। यह बार–बार साबित हो चुका है, लेकिन कुछ लोग इससे सीखना नहीं चाहते। श्रीलंका में बेहद भ्रष्ट गोटाबया राजपक्षे परिवार (जो चीन का वफादार सेवक था) का शासन 2022 के मध्य में ताश के पत्तों की तरह ढह गया। वह कोलंबो से भागकर मालदीव गए, लेकिन वहां से भी उन्हें जाने के लिए कहा गया, तो सिंगापुर गए। उन्हें चीनी आका ने छोड़ दिया। या म्यांमार का ही उदाहरण ले लीजिए। बीजिंग समर्थित सैन्य शासन लड़खड़ा रहा है, विपक्षी गठबंधन का देश के आधे से अधिक हिस्से पर नियंत्रण है। म्यांमार में दो शब्द सर्वाधिक घृणित हैं–चीन और सेना। क्या मालदीव, जो 90,000 से ज्यादा वर्ग किलोमीटर में फैले 26 प्रवाल द्वीपों के आसपास करीब 1,200 मूंगा द्वीपों से बना है, अपने भविष्य पर ध्यान देगा? यदि ग्लोबल वार्मिंग मौजूदा गति से ही जारी रही, तो मालदीव अगले एक दशक में गायब हो जाएगा। फिर क्या वहां के लोग चीन जाएंगे? मालदीव के आयात शुल्क संग्रह में भारी गिरावट आई है, क्योंकि उसका चीन के साथ मुक्त व्यापार समझौता है। मार्च, 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति ने भारत को अपना करीबी सहयोगी बताते हुए ऋण राहत की गुहार लगाई, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई है और पर्यटकों की संख्या भी 30 फीसदी कम हो गई है। बड़ी संख्या में भारतीयों द्वारा मालदीव का दौरा रद्द करने से उसके पर्यटन उद्योग में भूचाल आ गया है और आतंकवादियों से भी उसके रिश्ते उजागर हो गए हैं। फिर भी अप्रैल 2024 में, भारत से आवश्यक खाद्य पदार्थों की मांग के बाद, जिनमें कुछ ऐसे सामान भी थे, जिनके निर्यात पर प्रतिबंध है, हमने वे चीजें भेजकर दयालुता दिखाई, जबकि चीन ने केवल पीने का पानी भेजा था। मालदीव के विदेश मंत्री ने ट्वीट किया कि वह भारत की उदारता के लिए दिल से आभारी हैं। भारत ने 1980 के दशक में तख्तापलट के प्रयास को विफल करने में मालदीव की सहायता की और 2000 के दशक में जब वहां पानी का घोर संकट था, तो पेयजल की आपूर्ति की थी। फेलिक्स श्वार्जेनबर्ग ने हमें 19वीं सदी के मध्य में बताया था कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में कृतज्ञता जैसी कोई चीज नहीं होती है। यह बात हम जानते हैं। वर्ष 2023 में आतंक समर्थक मुइज्जू ने अपने तीन कट्टर मुस्लिम मंत्रियों को हिंदू धर्म, भारत के प्रधानमंत्री और भारत के प्रति दुर्व्यवहार करने और अपने चीनी आका का पक्ष लेने के लिए कहा, क्योंकि वह चीन की यात्रा पर जा रहे थे। मुइज्जू अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से धन चाहते हैं, लेकिन उन्होंने एक संदिग्ध चीनी कंपनी को निर्माण परियोजनाएं सौंपी हैं, जिसने कंबोडिया और अंगोला को धोखा दिया है और जो विश्व बैंक एवं एडीबी की काली सूची में है। मालदीव पर चीन का लगभग 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर बकाया है, जो उसके विदेशी ऋण का पांचवां हिस्सा है। इस्लामी देशों में सबसे छोटा देश मालदीव पैगंबर से भी अधिक इस्लामी होने की कोशिश कर रहा है, और इस प्रक्रिया में खुद को नुकसान पहुंचाता दिख रहा है। चीन इस इस्लामी देश के साथ आ तो सकता है, लेकिन श्रीलंका की तरह जल्द ही पीछे हट जाएगा, क्योंकि मालदीव एक घातक कॉकटेल के नशे में है–कट्टरपंथी इस्लाम, भारी असमानता, सड़ी हुई राजनीति, ड्रग्स और आतंकवाद। खबरों के मुताबिक, मालदीव की संलिप्तता से भारत के खिलाफ 26ध्11 जैसे कम से कम दो हमले हुए, जिन्हें विफल कर दिया गया। हाशिये पर रहने वाले वर्गों के दस में से नौ मालदीव के युवाओं को दुनिया के इस्लामीकरण अभियान के लिए कट्टरपंथी बनाया गया है। वर्ष 2023 में भारतीय खुफिया विभाग ने एक मुस्लिम खनन इंजीनियर (जो विस्फोटकों के बारे में जानता था) को गिरफ्तार किया, जिसने अपने कुछ इंजीनियर दोस्तों के साथ मिलकर कई शहरों में विस्फोट किया था। उसकी हैंडलर मालदीव की एक महिला थी। राष्ट्रपति बनते ही मुइज्जू तुर्किये के दौरे पर गए थे। अब यह बात उजागर हो गई है कि वह मालदीव के आईएस से जुड़े 36 युवाओं को सीरिया से माले लाने के लिए अंकारा से मदद मांगने गए थे। तुर्किये ने उनकी मदद की और बदले में तुर्किये निर्मित लाखों डॉलर के ड्रोन बेचे, जो मालदीव के समुद्री क्षेत्र में गश्त लगाते हैं। पहले यह काम भारत और मालदीव मिलकर करते थे। चीन से उन्होंने गुहार लगाई कि वह तालिबान को 2019 में अफगानिस्तान में गिरफ्तार किए गए 243 आईएस खुरासान–प्रशिक्षित मालदीव के लोगों को रिहा करने के लिए राजी करें, जिन्हें 21 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। लेकिन काबुल ने साफ इन्कार कर दिया।

इलाज में देरी पड़ सकती है भारी - मुख्य चिकित्सा अधिकारी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) हर साल 25 अप्रैल को मलेरिया के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। इस साल इस दिवस की थीम है– अधिक न्यायसंगत दुनिया के लिए मलेरिया के खिलाफ लड़ाई तेज करना। विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोहतास कुमार ने बताया कि साल 2023–24 में जनपद में मलेरिया के 2351 मरीज थे जबकि साल 2024–25 मे अब तक 21 मलेरिया के मरीज सामने आए हैं । ट्रिपल "टी" यानि ट्रेसिंग, टेस्टिंग और ट्रीटमेंट की रणनीति के अनुसार जिन घरों में मलेरिया का मरीज होता है उनकी और उसके आस–पास के 10 घरों में जिला मलेरिया इकाई द्वारा सोर्स रिडक्शन किया जाता है। मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होती है। जब संक्रमित मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह अपने लार के साथ उसके रक्त में मलेरिया के परजीवियों को पहुंचा देता है । संक्रमित मच्छर के काटने के 10–से 12 दिन के बाद व्यक्ति में मलेरिया के लक्षण दिखाई देते हैं। मलेरिया के मच्छर, गंदगी, जलजमाव की जगह पर पनपते हैं। इसके साथ ही इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि घर के अंदर भी मनी प्लांट जैसे पौधे हैं तो वह भी मच्छर पनपने का कारण बन सकते हैं। बचाव के लिए बुखार आने पर जांच करवाना समय से जांच और इलाज करवाने से रोगी ठीक हो सकता है लेकिन इलाज में देरी व्यक्ति पर भारी पड़ सकती है। सेरीब्रल एनीमिया, या मलेरिया एनीमिया हो सकता है क्योंकि मलेरिया के परजीवी लाल रक्त कोशिकाओं को संक्रमित कर सकते हैं। व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। अगर गर्भवती मलेरिया से संक्रमित है तो उसमें खून की कमी, समय पूर्व बच्चे का जन्म और गर्भपात होने की संभावना होती है। घरों में, आस–पास गड्ढों, नालियों, पानी की टंकियों, टूटे बर्तनों में पानी न इकट्ठा होने दें। रात में मच्छरदानी लगाकर सोएं क्योंकि मलेरिया का मच्छर रात में या सुबह के समय काटता है। हर सप्ताह कूलर, पानी की टँकियों, गमलों की प्लेट और फ्रिज की ट्रे की सफाई करें । खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगवाएं। मच्छररोधी क्रीम का उयोग करें, पूरी बांह के कपड़े पहने । जहां पानी ईकट्ठा होने से नहीं रोक जा सकता है वहाँ पर जेल हुए मोबिल ऑयल की बूंदें डाल दें। लक्षण सर्दी लगना, फिर गर्मी लगकर तेज बुखार होना और पसीना आकर बुखार कम होना और कमजोरी महसूस होना।

जेसीआई क्लासिक ने किया साइकिल मैराथन का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जेसीआई जौनपुर क्लासिक के तत्वाधान में ब्लॉसम स्कूल मानिक चौक के छात्रों द्वारा नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिए देने के लिए साइकलाथन साइकिल मैराथन का आयोजन किया गया। यह साइकिल मैराथन शाही किला से प्रारंभ होकर के सद्भावना पुल ओलनगंज शाही पुल चहारासु चौराहा कोतवाली चौराहा अल्फस्टीनगंज होते हुए मानिक चौक विद्यालय परिसर पर समाप्त हुआ। इस मैराथन में क्रमशः लकी निषाद सृजन मौर्य एवं मोहम्मद सैफ प्रथम द्वितीय एवं तृतीय रहे। इस साइकिल मैराथन का उद्देश्य बताते हुए संस्था अध्यक्ष ऋचा गुप्ता ने कहा यह मैराथन नगर के मुख्य मार्गो से गुजरते हुए यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि यह धरा जो हमारी मां के समान है इसे प्रदूषित होने से बचाएं इसको सुरक्षित करें एवं इसमें पौधारोपण कर हरियाली लाने की कोशिश करें। विद्यालय के निदेशक शम्स अब्बास जी ने कहा हम बच्चों में अभी से यह ज्ञान डालने की कोशिश कर

रहे हैं कि हमारा जीवन तभी सुरक्षित है जब हमारी पृथ्वी सुरक्षित है खुशहाल है। कार्यक्रम निदेशक विकल्प शुक्ला जी ने कहा बच्चों का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है हर बच्चे को अपने जन्मदिन के उपलक्ष में एक पौधा जरूर रोपित करना चाहिए। कार्यक्रम उपरांत सभी विजेताओं को मेडल व ट्राफी प्रदान किया गया तथा समस्त प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट से नवाजा गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रशासन की तरफ से वाइस प्रिंसिपल जीशान जी, अजहर अब्बास, द्वारकाधीश अग्रहरि, सुहेल कुरैशी, इकरार अहमद तथा संस्था की तरफ से संस्थापक अध्यक्ष विशाल गुप्ता, श्रवण कुमार, अमित पांडे, श्याम जी सेठ, अविनाश गोयल, प्रदीप सेठ, राजीव साहू, हर्षित अग्रहरि, योगेश साहू, विकल्प शुक्ला आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में सचिव विनय साहू ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

भागवत कथा सुनने से मानव का मन और आत्मा पवित्र हो जाती है – प्रभाकर महाराज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्रीमद भागवत कथा

सुनने से मन और आत्मा दोनों पवित्र हो जाता है उपरोक्त बातें कथा व्यास श्री प्रभाकर जी महराज वृंदावन वाले ने स्थानीय थाना क्षेत्र अहमदपुर गांव में जनपद में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. राम सिंगार शुक्ल गदेला के यहां चल रही सात दिवसीय भागवत कथा के पांचवे दिन कथा में शामिल सभी लोगों से कहा, उन्होंने कहा हर युग में भगवान अवतरित हुए है और सभी के दुखों का निवारण किया है श्रीमद् भागवत कथा सुनने से मानव का मन और मस्तिष्क सत्य मार्ग पर चलने के लिए मजबूर हो जाता है आज हमारे पास सुख सुविधा के तमाम साधन उपलब्ध है इसके बावजूद भी मानव मन अशांत रहता है, श्री महराज ने श्री कृष्ण जन्म अवतार का वर्णन कर भगवान श्री कृष्ण के विभिन्न रूपों और कलाओं से लोगों को परिचित कराया और कहा की धरती पर जब भी अन्याय और अत्याचार बढ़ता है तब भगवान दुष्टों के विनाश और सज्जनों की रक्षा के लिए अवतरित होते हैं। श्री महराज ने भगवान श्री कृष्णा और गोपियों के रासलीला का जहां वर्णन कर पूरे पंडाल को रोमांचित किया वहीं मित्र धर्म का निर्वाह करने वाले भगवान श्री कृष्ण सुदामा का बहुत ही मोहक प्रस्तुति किया, इस अवसर पर मटकी फोड़ झांकी एवं गिरिराज पूजन की झांकी देख उपस्थित समुदाय मंत्र मुक्त हो गया, भगवत कथा के दौरान वाराणसी से पधारे डमरू बाबा की मुंह से डमरू वादन की कला और नृत्य ने दर्शकों को पूरी तरह से शिवमय कर दिया, इस अवसर पर क्षेत्र के तमाम नागरिकों सहित जनपद के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विनोद प्रसाद सिंह, डॉ. रजनीश दूबे, जोखूराम यादव, दिलीप कुमार शुक्ल, मिश्री लाल शुक्ल, जयप्रकाश गौतम, विजय बहादुर यादव, मनोज कुमार यादव सहित तमाम वरिष्ठ जन उपस्थित रहे, अंत में समाचार संपादक कौटिल्य का भारत चंद्र प्रकाश शुक्ल एवं संपादक कौटिल्य का भारत प्रकाश चंद्र शुक्ल ने सभी भगवत कथा प्रेमियों के आभार व्यापित किया

धूमधाम से मनाया गया साईं बाबा का स्थापना दिवस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हुसैनाबाद तिलकधारी महाविद्यालय के बगल स्थित साईं

बाबा मंदिर का वार्षिकोत्सव बुधवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साईं बाबा मंदिर में विधिवत आरती के उपरांत शुरू हुआ। मंदिर के पुजारी पंकज पांडे द्वारा बाबा की आरती कराई गई। तदुपरांत पालकी अपने कदीम रास्तों से चलते हुए गायत्री माता मंदिर तक हाथी घोड़ा पालकी के साथ पहुंची वहां मां गायत्री की आरती के पश्चात पुनः पालकी साईं बाबा मंदिर धाम में पहुंची जहां आरती के उपरांत पालकी का समापन किया गया। तदुपरांत भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान बाबा की पालकी की एक झलक पाने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा के दरबार में जमे रहे । बाबा के भक्त नाचते गाते बाबा की पालकी लेकर चलते हैं। इस अवसर पर मंदिर के प्रबंधक संजय सिंह मंदिर के संरक्षक व वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत सिंह सहित मंदिर परिवार के तमाम सदस्य उपस्थित रहे। वही कार्यक्रम को सफल बनाने में पालकी की शोभा यात्रा निकालने में पालकी संयोजक जगदीश सेठ दीपक श्रीवास्तव, बृजेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ अभिषेक मिश्रा सत्यप्रकाश यादव आशीष बरनवाल डॉ अशोक चक्रवर्ती अमित श्रीवास्तव देवांश श्रीवास्तव सूर्यांश श्रीवास्तव राजीव गुप्ता ,पंडित पंकज पांडेय ,लोलरक नाथ पाठक, गुलाब चंद, राजन गुप्ता ,रमेश अमन राजीव गुप्ता, सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी मंदिल के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव पत्रकार द्वारा दिया गया।

परीक्षा में सफल छात्रा को किया गया सम्मानित

सुजानगंज। विकास खण्ड सुजानगंज अंतर्गत बेलवार बाजार में संचालित कोचिंग संस्थान सक्सेस प्वाइंट में कोचिंग के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को अच्छे अंको से उत्तीर्ण होने पर सम्मानित किया गया जिसमे कक्षा दसवीं में अंकिता बिंद 92.5 प्रतिशत, दिव्या यादव 81 प्रतिशत, अंशिका सिंह 76 प्रतिशत, खुशी सिंह 75 प्रतिशत , ऋषभ तिवारी 76.5 प्रतिशत ,यश सिंह 76 प्रतिशत, आयुष ,हरिओम ,दीपक, अंकित सहित दर्जनों छात्रों ने 70 प्रतिशत से अधिक तथा बारहवीं में दिव्या यादव 80.5 प्रतिशत ,पायल शुक्ला 76 प्रतिशत , जागृति 74 प्रतिशत ,रोबिन सिंह 74 प्रतिशत ,लक्ष्मी ,रिमझिम 71 प्रतिशत , अर्पित तिवारी 70.5 प्रतिशत ,सहित दर्जनों छात्रों को अमितेश श्रीवास्तव द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा देते हुए शुभकामनाएं दी गई और कोचिंग संचालक द्वारा कहा गया कि यह हमारे यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र छात्राओं का मेहनत का प्रतिफल मिला है।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने अर्पित किए श्रद्धा सुमन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ सूबेदार बलवीर सिंह चौहान छिबरामऊ जिला कन्नौज की अन्तिम यात्रा में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के पूर्व सैनिको ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री एवं अवध प्रांत के अध्यक्ष मेजर बीरेंद्र सिंह तोमर, प्रदेश मंत्री, बिजेंद्र सिंह चौहान,नगर अध्यक्ष, बटेश्वर सिंह, अशोक राठौर, राम नायक सिंह, सुरेंद्र सिंह राठौर, देवी दीन शाक्य, योगराज, मेघनाथ, अतर सिंह, विनोद राठौर, शेर सिंह सेना मैडल,

शिव नारायण सिंह चौहान आदि सैनिकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

हरदोई में ईडी ने शुरू की बिजली घोटाले की जांच

हरदोई(अम्बरीश कुमार सक्सेना) राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना के तहत 85 गांवों में विद्युतीकरण के कार्य में करीब 1.31 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच ईडी ने शुरू कर दी है। विजिलेंस ने जनवरी, 2023 में मुकदमा दर्ज किया था। इसमें उप्र पावर कॉर्पोरशन के दो अवर अभियंता, तीन एसडीओ और रिलायंस एनर्जी के प्रोजेक्ट मैनेजर को नामजद किया गया था। इसके आधार पर ईडी ने भी मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। गौरतलब है कि वर्ष 2004–05 में हुए इस घोटाले में तत्कालीन अवर अभियंता बैजनाथ सिंह, नरेश सिंह, एसडीओ देवेंद्र प्रसाद जोशी, अमजद अली, प्रमोद आनंद और नोएडा की रिलायंस एनर्जी लि. के सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर अशोक कुमार के खिलाफ विजिलेंस ने मुकदमा दर्ज किया था। विजिलेंस जांच में पता चला था कि टेंडर के जरिये 85 गांवों के विद्युतीकरण का कार्य रिलायंस एनर्जी लि. को दिया गया था। कंपनी ने काम पूरा करके उसे बिजली विभाग को हैंडओवर कर दिया। अधिकारियों ने कार्य का सत्यापन भी कर दिया था। हालांकि जांच में गांवों में लगाए गए 8.5 मीटर के 466 और 9 मीटर के 35 पीसीसी पोल कम पाए। इसी तरह एलटी लाइन के 227 पीसीसी पोल कम मिले। वहीं, तमाम अन्य उपकरण भी कम पाए गए थे। इससे पावर कॉर्पोरेशन को 1.31 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

बड़े अधिकारियों की भूमिका की भी होगी जांच–

सूत्रों की मानें तो इस मामले में पावर कॉर्पोरेशन के बड़े अफसरों की भूमिका की भी जांच होगी। अधिकारियों का मानना है कि बिना बड़े अफसरों की मिलीभगत के इतना बड़ा घोटाला अंजाम देना संभव नहीं था।

विद्यास्थली बना प्रांत का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय, विद्यार्थियों ने मलिहाबाद क्षेत्र में लहराया परचम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा 2023–24 में विद्यास्थली के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया और क्षेत्र में सबसे अव्वल स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय की कक्षा 12 की विज्ञान वर्ग की छात्रा अनुष्का गुप्ता ने 93.4% अंकों के साथ टॉप किया। वहीं अतुल कुमार मौर्य व शिपाली यादव क्रमशः 92% व 91% अंकों के साथ दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। कक्षा 10 में अनुष्का गौतम व रिधिमा ने 92% अंकों से बाजी मारी वहीं राहुल गौतम ने भी 91% अंक हासिल कर शीर्ष विद्यार्थियों में अपना नाम बनाया। विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने इस प्रदर्शन के लिए अपने अभिभावक शिक्षकों व विद्यालय परिवार को धन्यवाद दिया। टॉपर अनुष्का गुप्ता ने बताया कि वर्षभर निरंतर प्रयास व श्रेष्ठ मार्गदर्शन से उन्होंने यह सफलता प्राप्त की है। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती शिप्रा वर्मा व अन्य शिक्षक मौजूद रहे। प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ बधाई संदेश दिया।

नामांकन कक्ष की तैयारी का जिला अधिकारी ने लिया जायजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड के द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 के दृष्टिगत नामांकन कक्षो का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया गया। उन्होंने कहा कि समय से वीडियोग्राफी, सीसीटीवी, बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक व्यवस्था सहित अन्य सभी प्रकार की तैयारी समय से पहले पूर्ण कर ली जाए, ताकि नामांकन के दौरान किसी भी प्रकार का समस्या का सामना न करना पड़े। जनपद–जौनपुर में स्थित 73–जौनपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का नामांकन न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट एवं 74–मछलीशहर (अ०जा०) संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का नामांकन न्यायालय

अपर जिलाधिकारी (भू–राजस्व) जौनपुर कोर्ट नं0 14 में किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी गणेश प्रसाद सिंह, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (शहर) बृजेश कुमार, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रोड़वेज अधिकारी की घोर लापरवाही से यात्रियों में आक्रोश

गौराबादशाहपुर, जौनपुर। बुधावर को सिविल लाइंस डीपो की बस सं– UP-78 JN–7512 सुबह लगभग सात बजे आजमगढ़ से इलाहाबाद के लिए प्रस्थान की जिसमें तीन यात्री गौराबादशाहपुर के सवार थे, जिसमें दो महिलाएं भी थीं, जिसमें एक महिला यात्री की तबीयत ठीक नहीं थी,जिसका एक्स–रे मेडिकल रिपोर्ट को दिखाते हुए यात्री द्वारा निवेदन भी किया गया कि बाईपास से न जाकर आप लोग कस्बे में बने बस स्टॉप से होकर चलिए,मगर ड्राइवर और कंडक्टर दोनों ही अभद्रता करने लगे,बोल रहे थे सारी बसें बाईपास से ही जा रही हैं मैं भी बाईपास से ही जाऊंगा, तुम्हें जो करना है कर लेना,हम किसी भी कीमत पर बस स्टॉप पर होकर नहीं जायेंगे,विरोध करने पर कंडक्टर द्वारा गौराबाद शाहपुर के एक यात्री को गालियां देते हुए थप्पड़ भी मारा गया,आए दिन यह लोग यात्रियों के साथ बदतमीजी करते रहते हैं,सिविल लाइंस डीपो की कई बसों के यात्रियों के साथ की गई अभद्रता का प्रकरण सिविल लाइंस एआरएम जयकरन जी को भेजा जा चुका है,मगर न तो इन्होंने आज तक कोई कार्यवाही कि ना ही फोन करने पर फोन ही उठाते हैं,रात्रि के समय भी यात्रियों को बाईपास पर उतार देत हैं,जब की बाईपास पर कई छिनैती मारपीट जैसी घटनाएं भी घट चुकी हैं,उक्त बातें प्रेस कॉन्फ्रेंस द्वारा अपराध निरोधक कमेटी अध्यक्ष डा.जयसिंह राजपूत द्वारा अवगत कराते हुए, यह कहा गया कि इस तरह की तमाम शिकायतें यात्रियों द्वारा प्राप्त हुई। जिसको हमने जयकरन जी को भेजा मगर उन्होंने किसी भी शिकायत को संज्ञान नहीं लिया,ना ही फोन करने पर फोन रिसीव करते हैं, उपरोक्त मामले में भी मैंने इनको कई बार फोन किया मगर इन्होंने फोन नहीं उठाया अन्यथा यह घटना नहीं घटती, इनकी लापरवाही का परिणाम है कि बस चालक परिचालकों का मनोबल बढ़ा हुआ है,किसी के विरोध करने पर उसके साथ अभद्रता एवं मार पीट करते हैं और कहते हैं हम सरकारी आदमी हैं हमसे उलझनें की कोशिश करोगे तो हम धक्का देकर बस से धकेल देंगे,और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मुकदमा भी करेंगे,उपरोक्त बातों को सम्बंधित अधिकारी अगर तत्काल प्रभाव से संज्ञान नहीं लेते हैं तो स्थिति भयावह हो सकती है क्योंकि जब से बाईपास बना है तभी से यात्रियों के साथ बस चालक परिचालकों द्वारा बत्तमीजी की जा रही है मगर शिकायत के बावजूद भी आज तक इसका निराकरण नहीं हुआ।

विकास खण्ड बावन में चुनाव पाठशाला/मतदाता जागरूकता कार्यकम

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज विकास खण्ड बावन के ग्राम पंचायत मझरेता के प्रा० पाठशाला मझरेता में चुनाव पाठशाला का आयोजन डा० राम प्रकाश खण्ड विकास अधिकारी बावन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, तथा मतदाता शपथ दिलायी गयी। चुनाव पाठशाला में उपस्थित मतदाताओं को मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने हेतु समस्त परिवार को प्रातः एक साथ वोट डालने हेतु निर्देशित किया गया, उपस्थित मतदाताओं द्वारा प्रातः सपरिवार वोट डाले जाने का आश्वासन दिया गया, तथा यह भी अवगत कराया गया कि वह लोग भी घर–घर जागर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। उपस्थित बैग के सदस्यों द्वारा टोली बनाकर घर–घर शत–प्रतिशत मतदान हेतुं लोगों को जागरूक किया जा रहा

है। प्रा० पा० सकतपुर के बूथ संख्या 340, 341, पंचायत घर मझरेता के बूथ संख्या 337, प्रा० प० बभनापुर के बूथ संख्या 70, कन्या कमोत्तर बेहटा सधई के बूथ सख्या 328, 329 का निरीक्षण किया गया तथा साफ–सफाई के निर्देश समस्त सचिवों को दिये गये।

उक्त के अतिरिक्त रोस्टर के अनुसार गप्रम चन्दरसीपुर के बूथ संख्या 218, 219, प्रा०पा० हसनापुर के बूथ संख्या 66, प्रापा० गंगौली के बूथ संख्या 20, 21, में मतदाता शपथ दिलायी गयी, तथा मतदाता जागरूकता रैली निकालकर मतदाताओं को शत–प्रतिशत मतदान हेतु जागरूक किया गया। कार्यक्रम में डॉ० राम प्रकाश, खण्ड विकास अधिकारी बावन, श्री शत्रोहन सिंह, सचिव, प्राधानाध्यापक के साथ अन्य शिक्षक/शिक्षिकाऐं एवं ग्राम वासी उपस्थित थे।

पिछले दो चुनाव में भाजपा उम्मीदवार जय प्रकाश से चुनाव हार चुकी हैं सपा उम्मीदवार उषा वर्मा

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार उषा वर्मा ने 31 हरदोई सुरक्षित लोकसभा सीट से एक बार फिर नामांकन दाखिल किया है ।सपा नेत्री उषा वर्मा इस सीट पर तीन बार सांसद रह चुकी हैं लेकिन पिछले दो चुनाव में भाजपा उम्मीदवार से वे चुनाव हार चुकी हैं ।प्राप्त विवरण के अनुसार उषा वर्मा का जन्म 5 मई 1963 को उत्तराखंड के रुड़की शहर में हुआ था। उनकी शादी हरदोई के दिग्गज नेता और दो बार सांसद तथा छह बार विधायक रह चुके परमाई लाल के बेटे लाल बिहारी के के साथ हुआ था।

हरदोई लोकसभा सीट पर उनके ससुर परमाई लाल 1977 में पहली बार लोकदल और फिर 1989 में जनता दल से जीते। 1998 में उषा वर्मा ने अपनी ससुर की विरासत संभाली और हरदोई लोकसभा सीट पर पहली बार सपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीतीं। 1999 के चुनाव में वे हार गईं। 2002 में वे विधायक चुनी गईं और मुलायम सिंह की सरकार में बाल विकास पुष्टाहार मंत्री बनीं।

वर्ष 2004 और 2009 लोकसभा चुनाव में उन्होंने सपा उम्मीदवार के रूप में जीत दर्ज की। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें भाजपा के अंशुल वर्मा ने और 2019 के चुनाव में उन्हें भाजपा के जयप्रकाश रावत ने 1 लाख से

ज्यादा मतों से हराया था। 2022 में उन्होंने सांडी विधानसभा सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था लेकिन वहां भी उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। उषा वर्मा 1998–99 में महिला सशक्तिकरण के संयुक्त समिति की सदस्य भी रही। उसके बाद 2004 में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण समिति के सदस्य रही। 2004 से 2009 तक सामाजिक न्याय और अधिकारिता समिति के सदस्य भी बनी।

लेकिन उनका मुकाबला एक बार फिर भाजपा उम्मीदवार जय प्रकाश रावत से ही होना तय है। यह आने वाला समय ही बताएगा कि इस बार वह लोकसभा पहुंचती हैं या हार की हैट्रिक उन्हें झेलनी पड़ेगी। सपा कार्यकर्ताओं की अंदरूनी कलह ने भी उन्हें खासा परेशान कर रखा है।

मूलभूत सुविधाओं से काफी दूर अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन

एसी वेटिंग रुम,रेस्ट रुम के साथ साथ टिकट काउंटर का अभाव

जिम्मेदार अधिकारी जवाब देने से बना रखी दूरी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मूलभूत सुविधाओं से अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन दिखाई दे रहा है।जिसके चलते यहां पर रेल यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।वही प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अयोध्या में काफी संख्या में श्रद्धालुओं में बढ़ोतरी हुई है परन्तु उनके लिए अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं दिखाई दे रही है। बताते चलें कि यहां पर आरक्षण के लिए बने काउंटर में से महज एक ही काउंटर 431 से रेल यात्रियों को आरक्षण का टिकट बुक किया जा रहा है।मजे की बात तो यह है कि इसी आरक्षण काउंटर पर महिलाओं को लाइन में लगकर मजबूरी में अपने गंतव्य स्थान पर जाने के लिए टिकट लेना पड़ रहा है। जबकि शेष अन्य बुकिंग काउंटर काफी दिनों से बंद पड़े हुए हैं। सबसे खराब दशा उन रेल यात्रियों को उस समय होती है जब एक ट्रेन से सफर करने के दूसरी ट्रेन में जिसमें उनको सफर करना होता है काफी समय का अंतर होता है।चाहकर भी वह रेलयात्री अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर आराम नहीं कर सकता है।क्योंकि इस स्टेशन पर रेल यात्रियों के बने दो शैय्या व छः शैय्या बेड काफी दिनों से बंद पड़ा हुआ है।इनके दरवाजे पर लगा ताला शोभा बढ़ा रहा है।वही यहां पर रेल यात्रियों को आराम करने के लिये सिर्फ दो ही प्रतीक्षालय है।एक प्रतीक्षालय महिलाओं व एक पुरुषों के लिए बना है।जिसमें जनरल, स्लीपर व वातानुकूलित टिकट वाले सभी रेल यात्री दिखे।इस मौके पर वातानुकूलित टिकट वाले रेल यात्रियों का गुस्सा भी रेल विभाग के ऊपर दिखाई दे रहा था।इन रेल यात्रियों का कहना था कि जब हम लोगों का टिकट वातानुकूलित है उसके बावजूद यहां पर न तो वातानुकूलित आराम करने का बेड है न ही प्रतीक्षालय।जिसके चलते हम लोगों को रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की प्रतीक्षा करनी पड़ रही है।अगर देखा जाए तो जब मनोज सिन्हा रेल मंत्री थे तब उन्होंने भी अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के विकास के लिए काफी घोषणा किया था।उसके बाद रामलला का प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के बाद केन्द्र व राज्य सरकार अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। परंतु इस रेलवे स्टेशन का विकास महज कागज पर ही दिखाई दे रहा है। इस समस्या पर इससे संबंधित अधिकारी व कर्मचारी किसी भी तरह का जबाब देने से दूरी बनाते दिखे।

खब्बू तिवारी ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

अयोध्या। (डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) गोसाईगंज पूर्व विधायक खब्बू तिवारी ने विधानसभा क्षेत्र गोसाईगंज के विकास खण्ड मया के तरुण तिवारी पुत्र सूर्यमणि तिवारी निवासी ग्रामसभा नागीपुर ने उत्तर प्रदेश बोर्ड की हाईस्कूल की परीक्षा में जनपद अयोध्या में प्रथम तथा उत्तर प्रदेश में सातवां स्थान प्राप्त कर अपने माता – पिता, गुरुजन एवं जनपद अयोध्या का नाम रोशन किया है।शशांक पाठक पुत्र श्री शशिकांत पाठक निवासी बैहारी ने इंटरमीडिएट की परीक्षा में विकासखंड मया में प्रथम स्थान प्राप्त कर माता – पिता एवं गुरुजनों का नाम रोशन किया है। आज बच्चो के घर पहुंचकर शुभकामनाएं एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

अध्ययनरत विद्यालय नंदकिशोर सिंह स्मारक इंटर कॉलेज सिलौनी मया,अयोध्या में दोनो छात्रों तरुण एवं शशांक को बधाई शुभकामनाएं दिया तथा विद्यालय के प्रबंधक रूपेश सिंह , प्रधानाचार्य आदर्श सिंह , कक्षाध्यापक अतुल सिंह एवं समस्त विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

पुलिस ने यूपी गैंगस्टर के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

अयोध्या। पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा।आरोपी छोटू इन्दल के ऊपर पूर्व में भी थाना कोतवाली इनायत नगर में लूट और हत्या करने का प्रयास समेत अन्य कई गंभीर धराओं में मुकदमा दर्ज है। जिलाधिकारी की संस्तुति के बाद यूपी गैंगस्टर के तहत मुकदमा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली इनायत नगर पुलिस ने यूपी गैंगस्टर के मुकदमे में वांछित चल रहे छोटू इन्दल पुत्र महावीर राजभर निवासी चितबिसावा रतनपुर थाना महाराजगंज को कोतवाली इनायत नगर के उपनिरीक्षक अमर बहादुर पटेल और कांस्टेबल संदीप सिंह अयोध्या रायबरेली नेशनल हाईवे स्थित पांच नम्बर बीएसएनएल टावर तिराहे से पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर थाने ले गई। जहां उस पर विधिक कार्रवाई करते हुए पुलिस ने न्यायालय भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली इनायत नगर संदीप कुमार सिंह ने बताया कि छोटू इन्दल के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 20/24 धारा 395, 412, 120 बी व मुकदमा अपराध संख्या 22/24 धारा 399, 402, 307, व 3/25, 5/27 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। गैंग के सदस्यों के साथ आर्थिक भौतिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से षड्यंत्र करके डकैती करने जैसे जघन्य अपराध कारित करते रहते है। जिसके कारण क्षेत्र की जनता में भय एवं आतंक का माहौल व्याप्त है। इनके डर के कारण जनता का कोई भी व्यक्ति गवाही देने का साहस नही कर पाता है। जिलाधिकारी अयोध्या की संस्तुति के बाद मुकदमा अपराध संख्या 184/24 धारा 3(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी की पुलिस को तलाश थी, लेकिन आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर हो जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक ने यह भी बताया कि गिरोह में पांच सदस्य काम करते थे जिसमें से तीन लोगों को पहले जेल भेज दिया गया था वहीं पुलिस टीम ने एक आरोपी को आज गिरफ्तार किया है। गैंग के एक आरोपी की तलाश पुलिस टीम द्वारा की जा रही है जल्द ही उसको भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

अतिक्रमण के मकड़जाल में जकड़ा शहर का ह्रदय स्थली चौक

अयोध्या। अतिक्रमण की मकड़जाल में शहर की ह्रदय स्थली चौक जकड़ी हुई है।जिसके चलते इधर से गुजरने वाले राहगीर काफी परेशानियों हो रही हैं। परंतु इस गंभीर समस्या पर पुलिस कर्मियों का ध्यान नहीं जा रहा है। अतिक्रमण के चलते चौक क्षेत्र में वाहनों की लम्बी कतारें देखी जा सकती है। दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण, उस पर सोने पे सुगाहा पटरी दुकानदार यह सब मिल कर चौक की खुबसूरती में जाम का दाग लगाते हुए नजर आ रहे हैं।लेकिन रात में इसी सड़क पर निकल जाइये यकीन मानिए यह सड़क आपको चौड़ी लगेगी। पर जब दिन में इसी सड़क पर निकलिए तो लगेगा कि कुछ दूरी तय करने के लिए काफी समय लग रहा है।सुबह 10 बजते ही दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण तथा पटरी दुकानदारों के लगते ही धीरे–धीरे सड़क सकरी होने लगती है। सड़कों पर खड़े दोपहिया वाहन समस्या को और बढ़ा देते हैं। राहगीरों के लिए सड़कों का बहुत कम हिस्सा ही बचता है। जिस पर किसी तरह से वाहन खिसकते रहते है।कभी कभार तो हालत ऐसी हो जाती है कि पैदल चलने के लिए भी आपको इंतजार करना पड़ता है।दुकानदारों द्वारा सड़क पर अपनी दुकानों के समान सजाए जाते हैं। कहीं कहीं तो दुकान से पांच–छः फीट आगे तक दुकान सजाई जाती है।बजाजा में खाने के लगने वालें ठेलों ने तो बाकायदा सड़क पर बैठने के लिए बेंच तथा कुर्सी का इंतजाम कर रेस्टोरेंट बना लिया है। फतेहगंज एकदरा की तरफ तो कपड़ों के शोरूम ही सड़क पर बना दिए गए हैं। यहां तो पैदल चलना ही दूभर है। पुलिस प्रशासन द्वारा कभी–कभार अतिक्रमण अभियान तो चलाया जाता है लेकिन वह केवल खनापूर्ति मात्र बन कर रह जाता है। चौक में आला अधिकारियों का भी आना जाना रहता है। लेकिन समस्या पर कोई ध्यान नही दिया जाता है। साहब हैं हूटर बजते ही लोग किनारे होने लगते है।

पूर्व मंत्री के नेतृत्व में महानगर कमेटी अयोध्या ने किया आचार्य नरेंद्र देव वार्ड में जन–संपर्क

अयोध्या। (डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन के नेतृत्व में महानगर कमेटी अयोध्या ने किया आचार्य नरेंद्र देव वार्ड में जनसंपर्क। पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन के नेतृत्व में महानगर कमेटी अयोध्या ने आचार्य नरेंद्र देव वार्ड में जनसंपर्क कर गठबंधन के लोकसभा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद के लिए जनता से वोट की अपील की,जनसंपर्क से पहले पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे,महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम व उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव ने अंबेडकर पार्क में डा भीमराव अम्बेडकर की मूर्ती पर माल्यार्पण किया, इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान को खत्म करना चाहती है, भाजपा सरकार में महंगाई चरम सीमा पर है, घरेलू चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं, जनता भाजपा के झूठे वादों को जान चुकी है इस लोकसभा चुनाव में गठबंधन के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को जनता जिताकर सांसद बनाने का काम करेगी।। महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर अमित प्रसाद,महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम,उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव, आकीब खान,महानगर सचिव वीरेंद्र गौतम,सूर्यभान यादव,पार्षद रामभुवन यादव, जगत नारायण यादव, अर्जुन यादव सोमू, राम अजोर यादव, अम्बेडकर वाहिनी महानगर अध्यक्ष शिव शंकर शिवा, अजय यादव, ऋतुराज सिंह, जे पी यादव, संजीत सिंह, अमन सागर, बृजलाल पासी, इश्तियाक खान , सुरेन्द्र यादव, ओ पी राव इत्यादि लोग मौजूद रहे।

छात्राओं का भव्य विदाई समारोह भारतीय विद्या भवन गर्ल्स डिग्री कालेज में संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर के भारतीय विद्या भवन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में 25 अप्रैल 2024 को महाविद्यालय के स्नातक अंतिम वर्ष की छात्राओं का भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। मां सरस्वती का माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करते हुए प्राचार्या डॉ अलका निवेदन, उप प्राचार्य डॉ संदीप बाजपेयी एवं समस्त शिक्षकगण ने छात्राओं के प्रशस्त भविष्य की कामना की। भावपूर्ण वंदना से सुरुचिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ जो विभिन्न कलात्मक प्रस्तुतियों से होते हुए रिया पांडे को मिस भारतीय विध्धा भवन, ईशवानी श्रीवास्तव को मिस ईव एवं अर्चना कुमारी को स्टूडेंट ऑफ द ईयर व कोमल तिवारी को मिस फ्रेशर के अलंकरण से सम्मानित किया गया। आज के विदाई समारोह में मुख्य रूप से बीए, बीएससी एवं बीकॉम फाइनल ईयर के समस्त स्टूडेंट्स उपस्थित रहे और कार्यक्रम के अंतिम दौर में गीत संगीत और नृत्य का आयोजन भी हुआ जिसमें छात्राओं ने खूब मस्ती की और एक दूसरे से मिलकर जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प लिया मीडिया से बात करते हुए कॉलेज की प्राचार्या डॉ अलका निवेदन ने बताया कि यह हमारे कॉलेज का बहुत ही अनुशासित और शानदार बैच है, जिसके शानदार उज्जवल भविष्य की मैं कामना करती हूं. बच्चों ने बहुत ही बेहतर तरीके से कॉलेज परिसर के अंदर पठन–पाठन करते हुए हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया और भविष्य में भी अपने जीवन में सफलता को प्राप्त करेंगे और हर विपरीत परिस्थिति से लड़ते हुए अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान कालेज के उप प्राचार्य डा. संदीप बाजपेई ने बच्चों के शानदार और उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अयोजन में कॉलेज के मुख्य रूप से डॉ नीता सक्सेना, डॉ प्रियंका सिंह, डॉ छवि निगम, श्वेता विश्वकर्मा, नजमा शकील, पलक सिंह, डॉ चित्रा मोदी, आलोक मिश्रा, डॉ नमता सिंह, पलक सिंह, डॉ रेनू शुक्ला कर डिलीव योगदान रहा जिसके कारण कार्यक्रम बहुत ही सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जनता जातिवादी बंधन को तोड़कर विकास के मुद्दे पर वोट करेगी – श्रीकला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रमुख दलों के प्रत्याशी देर रात तक क्षेत्र में जनसंपर्क कर रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रत्याशी श्रीकला धनंजय सिंह ने लोकसभा क्षेत्र के कई गांवों में जनता के साथ जुड़कर उनकी समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने हसनपुर गांव में विनोद मिश्रा के घर हुई आग की घटना पर आर्थिक सहायता देने का भरोसा और ककोहिया गांव में अभयराज पाण्डेय के घर अखण्ड रामायण समारोह में भाग लिया एंव सिकरारा क्षेत्र के रीठी गांव निवासी अनिरुद्ध सरोज और सोनपुरा गांव के अरुण निषाद के पिता की मृत्यु पर उनके परिवार को सांत्वना दी। श्रीकला सिंह खेतासराय क्षेत्र में एक वैवाहिक समारोह में भाग लेने आईं, जहां स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने उन्हें पूरा समर्थन दिया। इसके बाद श्रीकला धनंजय सिंह सभी ग्रामीणों से मिलीं।

गांव–गांव जनसंपर्क करते हुए श्रीकला धनंजय सिंह के साथ हर जाति–धर्म के लोग प्रतिबद्ध रूप से उनके समर्थन में खड़े नजर आ रहे हैं। जो आम लोगो में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस दौरान लोगो से बात करते हुए श्रीकला धनंजय सिंह ने कहा कि इस बार लोकसभा में जनता जातिवादी बंधन को तोड़कर विकास के मुद्दे पर वोट करेगी। इससे यह साबित होता है कि लोग साझेदारी के मूल्यों को उच्च मानते हैं और एक साथ समृद्ध समाज की दिशा में प्रयास कर रहे हैं।

श्रीकला सिंह ने एक बार फिर अपनी प्रतिबद्धता पुनः जताई कि वह अपने क्षेत्रवासियों के साथ हर समय खड़ी रहेंगी और उनकी समस्या का समाधान करने में अपनी पूरी संवेदनशीलता दिखाएंगी। उन्होंने समाज के हर वर्ग के लोगों को एक साथ लाने का संकल्प किया है और सभी के हित में काम करने का आश्वासन दिया है।

सांसद लल्लू सिंह ने एक दर्जन स्थानों पर लगाई चौपाल

अयोध्या। (डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)सांसद लल्लू सिंह ने बीकापुर विधानसभा के सोहावल पूर्वी मंडल में एक दर्जन स्थानों में चौपाल लगाई। मोइयाकपूरपुर, सोखावां, मजनावां, उचितपुर, नवीगंज, परशुरामपुर, लखौरी, धन्नीपुर, मगलसी, चिर्रा, खिरौनी, सोहावल में आयोजित चौपाल के माध्यम से जनता से सम्पर्क व संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम स्थलों पर पहुंचने पर सांसद लल्लू सिंह का स्वागत किया गया।उचित पुर में आयोजित चौपाल में सांसद लल्लू सिंह ने कहा सभी वर्गों को समाहित कर सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का निमार्ण किया गया है। सरकार द्वारा अन्त्योदय की परिकल्पना को साकार करते हुए समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिया गया है। सर्वांगीण, सर्वसमावेशी विकास की नीतियों से जनता में उत्साह माहौल है। बेहतर परिवाहन की सुविधाओं के साथ ग्रामीणांचलों को शहरों से जोड़ा गया है। जिससे व्यापार के नए अवसर सुलभ हुए हैं। रामनगरी विश्व पर्यटन के केन्द्र में स्थापित हो गई है। हर कोई अयोध्या आना चाहता है। सबका साथ सबका विकास की नीति पर चलते हुए हम सबका विश्वास हासिल करने की लक्ष्य की ओर अग्रसर है। आयोजित चौपालों में ग्रामवासी, पदाधिकारी व कार्यकताओं की उपस्थिति रही।

ट्रक व कार की टक्कर में तीन घायल

अयोध्या। (डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) गोसाईगंज कस्बे के पूर्वी सिरे पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास बीती रात्रि में एक ट्रक व कार की जबरदस्त टक्कर हो गयी।टक्कर के बाद जंहा ट्रक कई दुकानों को तोड़ती हुई पलट गई वंही कार में सवार तीन व्यक्ति बुरी तरह से घायल हो गए। जिसमे दो की हालत गम्भीर बताई जा रही है। घटना मंगलवार की रात्रि दो बजे के आसपास की है।ट्रक बहराइच से चूनी लादकर वाराणसी जा रहा था।वह जैसे ही गोसाईगंज कस्बे के पूरी छोर पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास पहुंचा कि तभी अकबरपुर की तरफ से आ रही कार अनियंत्रित होकर ट्रक से जा भिड़ी।टक्कर लगने के बाद ट्रक भी अनियंत्रित हो गयी और शिवम इलेक्ट्रिक,साई मोटर पार्ट्स,दिल्ली बैरिंग हाउस व मोटर गैरेज सहित कई दुकानों को तोड़ती हुई पलट गई और कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी। शोर सुनकर घरों से निकले लोगो ने पुलिस को सूचित किया और बचाव में जुट गए।इसी बीच मौका पाकर ट्रक चालक व क्लीनर फरार हो गए।लोगो ने कार सवारो को किसी तरह कार से बाहर निकाला। पुलिस जब तक पहुंचती तब तक कार सवार लोगो ने किसी वाहन को बुलाया और घायलों को लेकर चिकित्सा के लिए निकल गए।पुलिस के मुताबिक कार में कई शराब की बोतले मिली है।अनुमान लगाया जाता है कि कार सवार किसी वैवाहिक कार्यक्रम से लौट रहे थे और पूरी तरह से शराब के नशे में थे,जिससे कार पर अपना नियंत्रण खो दिया।गनीमत यह रही कि घटना रात के समय हुई अन्यथा काफी भीड़ भाड़ वाला स्थान होने के कारण काफी बड़ा हादसा हो सकता था। एसएचओ परशुराम ओझा के मुताबिक कार सवार लोगो की की कोई पहचान नही हो सकी है।अलबत्ता कार में मिले कागजातों के आधार पर कार अयोध्या जनपद के प्रशांत कुमार मिश्रा निवासी बनबीरपुर गोपालपुर की निकली है।कार में सवार लोग कौन है,कँहा से आ रहे थे और कँहा जा रहे थे,घायलों की क्या हालत है इसकी जानकारी के लिए पुलिस जुटी हुई है। खबर प्रेषण तक काफी प्रयास के बावजूद घायलों की कोई पहचान नही हो सकी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग, गाय की जलकर मौत

अयोध्या। (डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) इनायत नगर थाना क्षेत्र के दो अलग–अलग गांव में हुए भीषण अग्निकांड में एक परिवार की संपूर्ण गृहस्थी जलकर नष्ट हो गई है तथा एक मवेशी गाय की जलकर दर्दनाक मौत हो गई है तो दूसरी ओर हाई टेंशन लाइन से टकराकर एक पक्षी कौवा के जलकर गेहूं के खड़ी फसल के खेत में गिर जाने से गेहूं के खेत में आग लग गई और दो कृषकों की 18 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अछोरा गांव अंतर्गत पूरे कोकलत निवासी कृषक कपिल देव तिवारी के खेत के ऊपर से 11000 वोल्ट की विद्युत लाइन गुजरी है बुधवार को पूर्वांह करीब 11रू30 बजे अचानक उसी में लाइन से एक कौवा टकरा गया और वह जलते हुए गेहूं के खेत में जा गिरा। जिससे गेहूं के खेत में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। हवा के झोंकों के बीच कृषक कपिल देव तिवारी की गेहूं की 14 बीघे फसल तथा दूसरे कृषक रामचंद्र तिवारी की 4 बीघे गेहूं की खड़ी फसल जरकर राख हो गई। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे अग्निशमन कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझाया। वहीं दूसरी ओर बुधवार को ही शाम करीब 4:45 बजे थाना क्षेत्र के ही ग्राम पंचायत डीह पूरे बीरबल अंतर्गत सुक्खा का पुरवा निवासी राम अक्षयबर दुबे के घर एवं पशुपालन में अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई।

देखते ही देखते आग ने उग्र रूप धारण कर लिया। उनके पशु शाला में खूंटे से बंधी एक मवेशी भी जल गई। अग्निकांड में परिवार की संपूर्ण गृहस्थी सहित साइकिल एवं ठेला जलकर नष्ट हो गया है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मेहनत कर आग को बुझाया। हालांकि अग्निकांड की जानकारी पाकर अग्नि शमन कर्मियों की टीम भी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ आग बुझाने में जुट गई।

अविवि में शोधार्थियों के लिए रिसर्च मेथडोलाजी पर सेमिनार का आयोजन

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेल द्वारा गुरूवार को रिसर्च मेथडोलॉजी विषय पर एक दिवसीय को सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोध छात्र–छात्राओं के साथ अन्य संस्थानों के शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रो0 पुनीत कुमार ने रिसर्च के विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शोध के लिए जिज्ञासा होना बहुत जरूरी है। उन्होंने शोध छात्रों को शोध की बारीकियों को समझाने के साथ–साथ पुरानी गुरु शिष्य परंपरा के महत्व से भी अवगत कराया।

कहा कि शोध को जीवन में अपनाना चाहिए।कार्यक्रम में रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेल के निदेशक प्रो0 एस० के० रायजादा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि शोध का हर क्षेत्र में उपयोगिता है। शोधार्थियों को शोध के प्रविधियों को जानने की जरूरत है।कार्यक्रम का संचालन डॉ० गीतिका श्रीवास्तव ने किया एवं डॉ० रवींद्र भारद्वाज ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

गोरखपुर से दिल्ली जा रही स्लीपर बस ट्रक से भिड़ी

गोरखपुर, संवाददाता। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे पर मंगलवार तड़के करीब सवा चार बजे गोरखपुर से दिल्ली जा रही एक एसी स्लीपर बस सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में गोरखपुर की एक युवती समेत चार लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 35 अन्य यात्री घायल हो गए। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तिर्वा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां से गंभीर रूप से घायल 11 लोगों को हैलेट कानपुर रेफर कर दिया गया। घायलों में सात गोरखपुर, छह देवरिया, पांच संतकबीरनगर और एक–एक बस्ती और कुशीनगर के यात्री हैं। नौसड़ स्थित के एन नेहरा ट्रैवेल से एसी स्लीपर बस 40 यात्रियों को लेकर दिल्ली के लिए रवाना हुई।

नाला में गिरा दिया मकान का मलबा, बरसात में मोहल्लों के डूबने का डर

गोरखपुर, संवाददाता। गोड़धोइया नाला के किनारे स्थित कई मोहल्लों में बरसात में भारी जलजमाव की स्थिति बन सकती है। इस चिंता से लोग अभी से परेशान हो गए हैं और अफसरों से इसके लिए तत्काल जरूरी कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। हुआ ये है कि नाला निर्माण की जद में आए लोग अपने मकान तोड़कर ईंट तो लेते गए लेकिन अन्य मलबा नाले में ही गिरा दिया, जिस कारण नाले का जलस्तर ऊपर आ गया है और नाले का पानी रास्ते पर चढ़ने लगा है। गोड़धोइया नाले में मलबा देखकर जल निगम के अधिकारी भी परेशान हैं, क्योंकि मलबे के कारण पानी प्रवाह प्रभावित होगा। नाले में कई ऐसे स्थान हैं, जहां सफाई करने वाली बड़ी मशीन नहीं जा सकती है, इस कारण सफाई में भी दिक्कत आ सकती है। क्षेत्र में जंगल छत्रधारी से सेमरा, हरिसेवकपुर, बशारतपुर तक करीब तीन किमी नाला 31 मई तक बनाने का लक्ष्य है, जबकि इसके आगे मैत्रीपुरम, घोषीपुरवा, धरमपुर, आदित्यपुरी व इसके आसपास नाला बनाने का काम बरसात के बाद होना है। जंगल छत्रधारी व राजनगर में मलबा नाला में गिराया गया तो पानी नाला से बाहर बहने लगा, जबकि इसके आगे भी लोगों ने नाला में मलबा गिराकर नाला में पानी का रास्ता रोका है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक
देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।